P372

इंदौर, मंगलवार 30 जून 2026
वर्ष : 5 अंक : 209
पृष्ठ : 6 मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

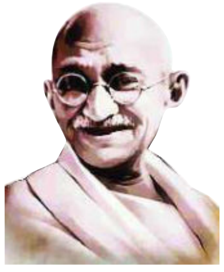

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

सीयूईटी पीजी की पहली काउंसिलिंग

पेज-2

कलर्स प्रस्तुत करता है 'जूही मुई'

पेज-5

जो अस्पताल बना ही नही उसमें ही हो रहे ट्रांसफर

पेज-6

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा का राजनीतिक अंदाज

ना किसी से दोस्ती, ना किसी से बैर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • भारतीय जनता पार्टी के मोर्चों के गठन हेतु नगर प्रभारी राजेश सोलंकी इंदौर में दो दिन से डेरा जमाए हुए थे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कह दिया था कि सभी मोर्चों के गठन के लिए तीन-तीन नामों की पैनल बनाकर दी जाए, जिन्हें भोपाल प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष रखा जाए, परन्तु सुमित मिश्रा की पैनल बनाने के नाम पर सांसे फूलने लगी।

ताबड़तोड़ शनिवार और रविवार के दिन नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने सभी मोर्चों के गठन के लिए विधायकों एवं पदाधिकारियों से तीन-तीन नाम मांगे। उसमें से छंटनी कर तीन-तीन नामों की पैनल बनाई जानी थी। सुमित मिश्रा के सामने यह मुसीबत आ गई, किसके नाम रखे, किसके काटे, किससे बुराई ले, किससे बुराई न ले? उन्होंने एक आसान रास्ता अपनाया, जिन विधायकों ने एवं पदाधिकारियों ने जो-जो नाम भेजे थे, वह सभी नाम उन्होंने पैनलों में शामिल कर दिए। अब सिरफुटव्वल भोपाल में करो, अगर वह रमेशा मैंदोला और गोलू शुक्ला के नाम भेजते तो बाकी विधायक उनसे नाराज हो जाते। इसलिए उन्होंने स्वविवेक से काम लेते हुए सभी के नाम यथावत भोपाल भेज दिए।

सबसे बड़ी दिक्कत भारतीय जनता युवा मोर्चा के लिए भी थी। उसके लिए उन पर काफी दबाव विधायकों का था। हर विधायक अपना युवा मोर्चा का नगर अध्यक्ष बनाना चाह रहा था। सबसे बड़ी दिक्कत तो इसमें यह हुई, कि युवा मोर्चा की निर्धारित उम्र मात्र 35 वर्ष है, इस नियम को धता बताते हुए 38 से 40 साल के युवकों के नाम भी युवा मोर्चा अध्यक्ष के लिए पैनल में भेज दिए। इसमें न कोई नियम का पालन किया गया और न प्रदेशाध्यक्ष का निर्देश माना। ऐसा लगता है कि भारतीय जनता पार्टी में युवा नेताओं का अकाल पड़ गया है। जिसे अधेड़ लोगों को युवा पैनल में भेजा गया।

विजयनगर चौराहे पर आईडीए बनाएगा बहुमंजिला इमारत

कंसल्टेंट नियुक्त करने के लिए टेंडर जारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • विकास प्राधिकरण जल्द ही शहर के प्रमुख विजयनगर इलाके में एक बड़ी बहुमंजिला इमारत बनाने जा रहा है, जिसके लिए कंसल्टेंट नियुक्त होने के बाद सर्वे का काम भी शुरू किया जाएगा। यह प्राधिकरण का ही बड़ा भूखंड है, जो कई मंजिला बनेगा जहां नीचे के कुछ हिस्से कमर्शियल रहेंगे। इसके लिए आईडीए ने तैयारियां शुरू कर दी है और जल्द ही आगे की रूपरेखा बन सकती है। बताया जा रहा है कि तकरीबन 4 हेक्टेयर जमीन पर पीपीपी मॉडल के तहत उक्त योजना तैयार की जा रही है, जिसे प्रमुख रूप से ट्रांजेक्ट मॉडल का नाम दिया जा रहा है। एबी रोड पर बड़े पैमाने पर इस तरह का काम विकास प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत बहुमंजिला बिल्डिंग बनेगी। कई वर्षों से उक्त भूखंड खाली होने के साथ-साथ यहां पर किसी समय आरटीओ का काम भी होता था तो कुछ समय तक बसें आदि भी खड़ी रही हैं, लेकिन अब जल्द ही यहां पर एक बहुमंजिला इमारत ऐसी बनेगी जहां पर नीचे के कुछ मंजिल पूरी तरह से कमर्शियल रहेगी। यह दुकानों के साथ-साथ ऑफिसेस आदि भी रहेंगे और यह भी संभावना है कि ऊपरी कुछ मंजिल आवासीय हो सकती है।

वर्षों से जमे वार्ड अध्यक्षों को बदलने की तैयारी

विधायक-पार्षद के खास लोगों का है सालों से कब्जा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • जल्द ही भाजपा संगठन वार्ड अध्यक्षों की नई सूची जारी करने वाला है। अभी तक वार्ड अध्यक्ष पद पर वर्षों से पार्षद और विधायक समर्थकों का कब्जा है। चुनावी साल को देखते हुए नए तरीके से वार्ड की इकाई का गठन किया जाएगा। फिलहाल नगर संगठन ने मंडल अध्यक्षों से सक्रिय कार्यकर्ताओं की जानकारी निकालना शुरू कर दिया है। भाजपा भले ही लाख दावे करती है कि संगठन और सत्ता दोनों अलग-अलग रहते हैं। इसलिए पदाधिकारियों का चयन भी सत्ता में बैठे लोगों के समर्थकों की बजाय सक्रिय कार्यकर्ताओं के बीच से किया जाता है, लेकिन ऐनवक्त पर पार्षद और विधायकों की राय को भी तवज्जो दी जाती है और वे अपने-अपने समर्थकों को संगठन में पद दिलाने में कामयाब हो जाते हैं। इंदौर के सभी 85 वार्डों में वार्ड अध्यक्ष लंबे समय से काबिज है। भाजपा ने सभी अध्यक्षों के बदलने की योजना तैयार की है और इसके लिए नीचे की इकाई से नाम मांगे गए हैं।

पर्यावरण बचाव अभियान को दिखाया ठेंगा

सड़क निर्माण के नाम पर काट दिए हजारों पेड़

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

एक तरफ सरकार पर्यावरण को बढ़ावा देने और प्रकृति को बचाने के लिए जागरूकता अभियान चला रही है, जिस पर हर साल करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाए जाते हैं। वहीं दूसरी तरफ, जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट नजर आ रही है। ताजा मामला देपालपुर-इंगोरिया रोड के चौड़ीकरण और निर्माण कार्य से जुड़ा है, जहाँ विकास की आड़ में पर्यावरण की धज्जियाँ उड़ा दी गई हैं। यहाँ सड़क के दोनों किनारों पर लगे हजारों छांवदार और हरे-भरे पेड़ों को काट दिया गया है।

जानकारी के अनुसार इस सड़क का निर्माण कार्य एमपीआरडीसी विभाग की निगरानी में जैनको एंटरप्राइजेज लिमिटेड कंपनी द्वारा किया जा रहा है। निर्माण के नाम पर रोड किनारे सालों से खड़े हजारों बड़े बड़े छायादार पेड़ों को धराशायी कर दिया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस अंधाधुंध कटाई के लिए जिम्मेदार विभाग और कंपनी ने जरूरी कानूनी अनुमतियाँ तक लेना मुनासिब नहीं समझा।

कागजों में करोड़ों के पौधे, जमीन पर सिर्फ 'गिनती' के जनता का आरोप की सरकार प्रतिवर्ष पर्यावरण संरक्षण के नाम पर बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती है और वृक्षारोपण के तहत करोड़ों रुपये का बजट स्वीकृत करती है। सरकारी आंकड़ों में विभागों द्वारा हर साल हजारों पौधे लगाना दर्ज किया जाता है, जिसके एवज में भारी-भरकम बिल भी पास कराए जाते हैं।किन्तु हकीकत यह है कि कुछ ही दिनों बाद मौके से हजारों पौधे गायब हो जाते हैं और सिर्फ गिनती के पौधे ही जिंदा बचते हैं।

जैनको इंटरप्राइजेज कंपनी सड़क निर्माण में लगातार विवादों में रही है घटिया निर्माण के गंभीर आरोपों लगे अवैध खनन भी कंपनी के ठेकेदारो ने किया था लेकिन अधिकारियों से मिलीभगत कर मामले को निपटा दिया जाता।

वही एक तरफ नए पौधे कागजों से बाहर नहीं आ पाते, और दूसरी तरफ क्षेत्र में खड़े-खड़े हजारों पुराने पेड़ों को काट दिया जाता है, जिसका सरकार और संबंधित विभागों के पास कोई ठोस लेखा-जोखा या जवाब नहीं होता। इस पूरे मामले ने अब प्रशासनिक मुस्तैदी पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों ने इस अवैध कटाई पर उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

न्यूज ब्रीफ

- NEET UG 2026 री-एग्जाम की कल समीक्षा करेगी संसदीय समिति
- आंध्र प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह कल, राष्ट्रपति होंगी मुख्य अतिथि
- बिहार : 5 जुलाई को 30वां स्थापना दिवस मनाएगी RJD, हर जिले में कार्यक्रम की तैयारी
- बिहार के राज्यपाल 3 जुलाई को ईरान जाएंगे, खामेनेई के अंतिम संस्कार में होंगे शामिल
- यमुना एक्सप्रेसवे पर ट्रक पर पीछे से भिड़ गई बस, 4 यात्रियों की मौत और 19 घायल
- क्रिकेटर शशांक सिंह पर FIR, कुक के साथ मारपीट और गाली-गलौज करने का आरोप
- FIFA वर्ल्ड कप : पराग्वे ने चार बार की चैंपियन जर्मनी को टूर्नामेंट से बाहर किया
- UP : जौहर यूनिवर्सिटी पर प्रशासन का शिकंजा, रामपुर विकास प्राधिकरण ने जारी किया नोटिस
- मध्यप्रदेश : राजगढ़ में खजूर खिलाने के बहाने 9 साल की मासूम से गैंगरेप

देर रात वाहन चैकिंग के दौरान फिर हुआ पुलिस से विवाद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर के हीरानगर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस टीम से अभद्रता और शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। नशे में वाहन चला रहे ड्राइवर पर कार्रवाई के दौरान कार में सवार महिला ने पुलिसकर्मियों से विवाद किया और मोबाइल छीनने का प्रयास भी किया। पुलिस ने मामले में महिला समेत तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार 29 जून की रात एसीपी रूबिना मिजवानी और हीरानगर थाना प्रभारी सुनील पटेल चंद्रगुप्त मौर्य चौराहे पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान पश्चिम बंगाल नंबर की हुंडई क्रेटा कार वहां पहुंची। पुलिस ने कार रोककर ड्राइवर की जांच की तो वह नशे की हालत में मिला। पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर कुछ पुलिसकर्मियों ने महिला की हरकतों का वीडियो बनाना शुरू किया। आरोप है कि महिला ने वीडियो बना रहे पुलिसकर्मी का मोबाइल छीनने की कोशिश की, जिससे एसआई देवराज बघेल का मोबाइल नीचे गिर गया। इसके बाद महिला ने एक पुलिसकर्मी पर हाथ उठाने का प्रयास भी किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसीपी ने मौके पर मौजूद सभी लोगों को हिरासत में लेने के निर्देश दिए। पुलिस ने कालीदास पंवार निवासी हुबली, श्रवण कुमार प्रजापति और सोमाली नायक के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की है।

महिला ने पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की की

पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की बात कही। इसी दौरान कार में बैठी महिला सोमाली नायक पुलिसकर्मियों से विवाद करने लगी। आरोप है कि महिला ने पुलिसकर्मियों से अभद्रता की और धक्का-मुक्की तक करने लगी। मौके पर मौजूद एसीपी रूबिना मिजवानी ने भी महिला को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह शांत नहीं हुई और अधिकारियों से भी बहस करने लगी।

प्रदेश के 52 लाख विद्यार्थी यूनीफॉर्म का कर रहे इंतजार, 350 करोड़ की टेंडर प्रक्रिया अटकी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • प्रदेश में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत हो चुकी है। सरकारी स्कूलों में बच्चों की चहल-पहल भी लौट आई है। स्कूलों में विद्यार्थी रंग-बिरंगे गणवेश में पहुंच रहे हैं। इनमें नए प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या अधिक है। हालांकि इस बार भी लाखों विद्यार्थियों को निर्धारित समय पर स्कूल गणवेश नहीं मिल पाएगा।

स्कूल खुलने के बावजूद पहली से आठवीं कक्षा तक के करीब 52 लाख विद्यार्थियों को सिली-सिलाई गणवेश के लिए अक्टूबर या नवंबर तक इंतजार करना पड़ेगा। इस वर्ष शासन ने गणवेश वितरण की प्रक्रिया में बदलाव करते हुए विद्यार्थियों के खातों में राशि भेजने के बजाय सीधे सिली-सिलाई गणवेश उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया की जिम्मेदारी मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम को सौंपी है। हालांकि टेंडर प्रक्रिया अभी अंतिम चरण में भी नहीं पहुंची है, जिससे गणवेश वितरण का काम प्रभावित होने की आशंका है। मप्र पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा गणवेश आपूर्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दिया गया है।

जल्द पूरी होगी टेंडर प्रक्रिया

कि दो वर्ष पूर्व भी सरकार ने विद्यार्थियों को सिली-सिलाई ड्रेस उपलब्ध कराने का निर्णय लिया था। उस समय कपड़े की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के नाप को लेकर कई शिकायतें सामने आई थीं। इसके बाद पिछले साल 600 रुपये विद्यार्थियों के खाते में दिए गए। मप्र पाठ्यपुस्तक निगम के महाप्रबंधक संजीव त्यागी का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी।

सफाईमित्रों को सौगात

इलाज के लिए मिलेगी ढाई लाख तक की आर्थिक सहायता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले सफाई मित्रों के लिए इंदौर नगर निगम ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने घोषणा की है कि ड्यूटी के दौरान दुर्घटना का शिकार होने वाले सफाई मित्रों और ड्रेनेज-सीवरेज सफाई कार्य में लगे कर्मचारियों को अब इलाज के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

योजना के तहत दुर्घटना की गंभीरता के आधार पर 25 हजार रुपये से लेकर 2.50 लाख रुपये तक की सहायता राशि दी जाएगी। पिछले कुछ समय में इंदौर में सफाई कार्य के दौरान कई कर्मचारी हादसों का शिकार हुए हैं। ड्रेनेज और सीवरेज लाइन की सफाई के दौरान कर्मचारियों के घायल होने, गैस रिसाव जैसी घटनाओं तथा सड़क और नाले की सफाई के दौरान दुर्घटनाओं ने सफाई कर्मियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर चिंता बढ़ाई थी। ऐसे मामलों में इलाज का खर्च कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए बड़ी चुनौती बन जाता था।

श्रीदत्त देवालय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तृतीय दिवस वैदिक

स्वारभिषेक, भक्ति संगीत एवं जगद्गुरु शंकराचार्य के पावन आगमन से भक्तिमय हुआ वातावरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्री केशवानंद सरस्वती आश्रम ट्रस्ट एवं श्री दत्त माऊली भाविक मंडल द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीदत्त देवालय अवधूत मंदिरम् में भगवान श्री दत्तात्रेय मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तृतीय दिवस सोमवार को वैदिक परंपरा के अनुरूप विविध धार्मिक अनुष्ठान, स्वारभिषेक तथा शास्त्रीय भक्ति संगीत का भव्य आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। महोत्सव में इंदौर सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान श्री दत्तात्रेय का पूजन-अर्चन किया तथा पुण्य लाभ प्राप्त किया। प्रात:काल वैदिक आचार्यों के सान्निध्य में

स्नान विधि, न्यास विधि, धान्याधिवास, देवता स्थापना, अग्नि स्थापना, अग्नि प्रज्वलन, वास्तु-ग्रह होम एवं पिंडिका अधिवासन सहित अनेक महत्वपूर्ण वैदिक अनुष्ठान विधिवत संपन्न हुए। मंत्रोच्चार एवं वैदिक ऋचाओं से संपूर्ण परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से अनुप्राणित हो उठा।

सायंकाल आयोजित स्वारभिषेक श्रृंखला के अंतर्गत सुप्रसिद्ध गायिका डॉ. अर्पिता वैशंपायन करंदीकर (पुणे) ने हिन्दी एवं मराठी भक्ति रचनाओं तथा शास्त्रीय संगीत की मनोहारी प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। हारमोनियम पर श्री सुरेश राजपूत, तबले पर श्री मोहित शावक, पखावज पर श्री प्रखर विजयवर्गीय एवं झांझ पर श्री विश्वास कलमकर ने उत्कृष्ट संगत प्रदान की। महोत्सव का सबसे महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण क्षण उस समय आया जब अंत:श्री विभूषित पश्चिमाम्नाय सामवेदीय द्वारका शारदापीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज का पावन आगमन हुआ। उनके आगमन पर हजारों श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार, पुष्पवर्षा एवं जयघोष के साथ भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। शंकराचार्य जी के दिव्य दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त कर श्रद्धालु स्वयं को धन्य अनुभव करते रहे। श्री दत्त माउली भाविक मंडल ने जानकारी दी कि आगामी 30 जून एवं 1 जुलाई 2026 को जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज श्रद्धालुओं को श्रीविद्या की दीक्षा प्रदान करेंगे।

साथ ही भगवान श्री दत्तात्रेय की दिव्य मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न कराएंगे तथा धर्मसभा के माध्यम से सनातन धर्म, वेद, उपासना एवं आध्यात्मिक जीवन पर अपने अमृतमय उद्बोधन से श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करेंगे। श्री दत्त माउली भाविक मंडल ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महोत्सव में सहभागिता करें तथा जगद्गुरु शंकराचार्य के दिव्य सान्निध्य, श्रीविद्या दीक्षा, प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव एवं धर्मसभा का पुण्य लाभ प्राप्त करें।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय : एक जुलाई तक किया जाएगा सत्यापन का कार्य

सीयूईटी पीजी की पहली काउंसिलिंग : दस्तावेज सत्यापन आज से, तय समय पर पहुंचना होगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय सीयूईटी पीजी-2026 के तहत पहली काउंसलिंग में चयनित छात्रों के दस्तावेज का सत्यापन 30 जून और 1 जुलाई को करेगा। ऐसे छात्र जिन्हें पहले चरण में सीट आवंटित हुई है उन्हें डीएवीवी के ऑडिटोरियम में मूल मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर सत्यापन करवाना रहेगा। छात्र अपना अलॉटमेंट लेटर एमपी ऑनलाइन पोर्टल से डाउनलोड कर सकते हैं। दस्तावेज सत्यापन और निर्धारित समय सीमा में पहले सेमेस्टर की फीस जमा करने के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया पूरी मानी जाएगी। यदि निर्धारित समय में फीस जमा नहीं की जाती है तो प्रवेश स्वत: निरस्त हो जाएगा।

पहले दिन इन पाठ्यक्रमों की काउंसिलिंग: पहले दिन 30 जून को एमबीए (फायनेंशियल एडमिनिस्ट्रेशन), मार्केटिंग मैनेजमेंट, ह्यूमन रिसोर्स, ई-कॉमर्स, हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, पब्लिक हेल्थ, फायनेंशियल सर्विसेज, बिजनेस इकोनॉमिक्स, इंटरनेशनल बिजनेस, एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस, एंटरप्रेन्योरशिप, कम्प्यूटर मैनेजमेंट, टूरिज्म व मीडिया मैनेजमेंट सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों का दस्तावेज सत्यापन अलग-अलग समय पर किया जाएगा।

यह दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य: छात्रों को आधार कार्ड, सीयूईटी पीजी 2026 की मार्कशीट, पहली काउंसलिंग अलॉटमेंट लेटर, अर्हता परीक्षा की अंकसूची, ट्रांसफर व माइग्रेशन सर्टिफिकेट, जाति, आय, ईडब्ल्यूएस, दिव्यांग, डोमिसाइल सहित संबंधित प्रमाणपत्रों की मूल व स्वप्रमाणित प्रतियां साथ लाना रहेगी। गैप होने की स्थिति में गैप अंडरटेकिंग भी प्रस्तुत करना रहेगा।

परीक्षा केंद्र घोषित-इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की ओर से बी.लिब दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा जुलाई में होना है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने परीक्षा केंद्र घोषित कर दिए है। महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय में चार महाविद्यालय के परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। वहीं भेरुलाल पाटीदार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्याल, महू के परीक्षार्थी इसी महाविद्यालय में परीक्षा देंगे। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने स्पष्ट कहा है कि संबंधित सभी परीक्षार्थी प्रवेश पत्र संबंधित महाविद्यालय से प्राप्त कर परीक्षा केंद्र पर परीक्षा में शामिल होंगे।

अंतिम दिन इन कोर्स के छात्र होंगे शामिल

अंतिम दिन 1 जुलाई को एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स), फॉरेन ट्रेड, एमएसडब्ल्यू, एमए (राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल, क्लीनिकल साइकोलॉजी), एलएलएम, एमबीए (फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट) व एमएससी (एप्लाइड मैथेमेटिक्स) सहित अन्य पाठ्यक्रमों के छात्रों का दस्तावेज सत्यापन होगा। इसी दिन दोपहर 1 बजे डीएवीवी कर्मचारी वार्ड श्रेणी के सभी पंजीकृत छात्रों की काउंसलिंग भी आयोजित की जाएगी।

14 अगस्त तक परिणाम नहीं देने पर प्रवेश निरस्त

डीएवीवी ने स्पष्ट किया है कि जिन छात्रों को अंडरटेकिंग के आधार पर अस्थाई प्रवेश दिया जाएगा, उन्हें 14 अगस्त तक अर्हता परीक्षा का अंतिम परिणाम प्रस्तुत करना रहेगा। ऐसा नहीं करने पर प्रवेश स्वत : निरस्त कर दिया जाएगा। यदि किसी छात्र की ओर से गलत जानकारी या फर्जी दस्तावेज के आधार पर प्रवेश लिया जाता है तो उसका प्रवेश तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय ने फीस वापसी के भी जारी किए निर्देश

यदि कोई छात्र प्रवेश निरस्त करवाना चाहता है तो वह ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी कर संबंधित दस्तावेज जमा कर सकता है। फीस वापसी यूजीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार की जाएगी। हालांकि, निर्धारित पात्रता समय पर पूरी नहीं करने वाले छात्रों के मामलों में विश्वविद्यालय के नियम लागू होंगे।

न्यूज ब्रीफ

भू-अभिलेखों के डिजिटाइजेशन से राजस्व सेवाएँ होंगी अधिक प्रभावी, भूमि रिकॉर्ड प्राप्त करना होगा आसान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश के नागरिकों को भूमि संबंधी सरकारी अभिलेखों की सहज, त्वरित और पारदर्शी उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ पुराने भू-अभिलेखों के सुरक्षित संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत प्रदेश में चरणबद्ध रूप से डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के माध्यम से राज्य के लगभग 15 करोड़ पुराने भू-अभिलेख रिकॉर्ड का आधुनिकीकरण किया जाएगा, जिसके लिए दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली और डीबीईएस सॉफ्टवेयर विकसित किए जा रहे हैं। वर्ष 2008 में शुरू हुए राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम को 1 अप्रैल 2016 से डीआईएलआरएमपी के रूप में पुनर्गठित किया गया था। इसके तहत मॉडर्न रिकॉर्ड रूम (एमआरआर) के अंतर्गत पुराने अभिलेखों के डिजिटाइजेशन की रूपरेखा तैयार की गई।

पीटीआई के रिक्त पदों के लिए 6 जुलाई को होगा वॉक-इन इंटरव्यू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला अंतर्गत संचालित शासकीय राजा शंकरशाह रघुनाथशाह विशिष्ट आदिवासी बालक क्रीड़ा परिसर, छोटी बेटमा में पीटीआई के रिक्त पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह भर्ती वॉक-इन इंटरव्यू के माध्यम से की जाएगी। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, इंदौर ने बताया कि पीटीआई पद के लिए अभ्यर्थी के पास डी.पी.एड/बी.पी.एड./एम.पी.एड. अथवा शारीरिक शिक्षा में स्नातक या समकक्ष योग्यता होना आवश्यक है। इसके साथ ही राष्ट्रीय खिलाड़ी, एथलेटिक्स, हैंडबॉल अथवा कुश्ती जैसे खेलों में ट्रैक एवं फील्ड का अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को विशेष वरीयता प्रदान की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन-पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ 6 जुलाई को दोपहर 2 बजे कलेक्टर कार्यालय स्थित सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, इंदौर के कक्ष क्रमांक 215 में आयोजित वॉक-इन इंटरव्यू में उपस्थित हो सकते हैं।

ग्रीन एनर्जी में सबसे आगे है मप्र सीएम के नेतृत्व में अपने ही रिकॉर्ड तोड़ रहा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने टीवी प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में मप्र डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में अपने ही रिकॉर्ड तोड़कर देश में सबसे आगे है। मप्र सभी राज्यों में उन्नत है , नई-नई परियोजनाओं से निरंतर आगे बढ़ रहा है। मप्र ने ग्रीन एनर्जी अर्थात हरित ऊर्जा क्षेत्र में नया इतिहास रच रहा है। लगभग 950 मेगावाट सौर क्षमता देश को समर्पित हुई है। सबसे बड़ी बात देश की न्यूनतम दर वाली सोलर के साथ बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना के लिए पीपीए पर भी हस्ताक्षर हुए हैं।

डेढ़ लाख बिजली उपभोक्ताओं पर 45 करोड़ बकाया

कंपनी क्षेत्र में जून का टारगेट 278 करोड़ में से 230 करोड़ रुपए वसूले

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बिजली कंपनी द्वारा शहर में सुगम आपूर्ति व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखना और समय पर बिलिंग व वसूली करना चुनौती रहा है। जून महीना खत्म होने में अब महज दो दिन का समय शेष है, लेकिन शहर के करीब डेढ़ लाख उपभोक्ताओं पर कंपनी का 45 करोड़ रुपया बकाया है, जिसकी वसूली के लिए कंपनी ने अब बत्ती गुल अभियान तेज कर दिया है। रोजाना 8 से 10 हजार बकायादारों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं। दो दिन में कंपनी को शहर में 40 करोड़ रुपए वसूलने का लक्ष्य है। बिजली कंपनी क्षेत्र में जून महीने के लिए कुल 278 करोड़ रुपए की वसूली का भारी-भरकम टारगेट दिया गया है।

230 करोड़ की वसूली-अधिकारियों का दावा है कि अब तक 230 करोड़ रुपए की वसूली की जा चुकी है। अब महीने के आखिरी तीन दिनों में शेष 40 करोड़ रुपए का टारगेट पूरा करना कंपनी के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इसके लिए कंपनी अब कनेक्शन विच्छेद की कार्रवाई कर रही है।

एक तरफ सख्ती, दूसरी तरफ परेशानी-बिजली कंपनी वसूली के लिए जहां कड़े कदम उठा रही है, वहीं दूसरी ओर शहर के सैकड़ों उपभोक्ता बार-बार होने वाली ट्रिपिंग और बिजली कटौती से परेशान हैं। मानसून की पहली बारिश, तेज हवा और आंधी आते ही शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में घंटों बिजली गुल रहने की समस्या सामने आ रही है। इस पर अधिकारियों और इंजीनियरों के पास तकनीकी कारणों के अलग-अलग तर्क होते हैं। अधिकारियों के अनुसार शहर में तकरीबन डेढ़ लाख ऐसे उपभोक्ता हैं, जो दो से तीन महीने से अपना बिजली बिल समय पर जमा नहीं कर रहे हैं। इनसे कंपनी को 45 करोड़ रुपए वसूलने हैं। एक तरफ जहां सुचारू बिजली आपूर्ति पर ध्यान दिया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ बकायादारों पर सख्ती भी बरती जा रही है।

अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ आबकारी विभाग ने की बड़ी कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र के इंदौर में अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ आबकारी विभाग ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। विभाग की टीम ने मौके से भारी मात्रा में अवैध शराब बनाने की मशीनें, स्प्रिट और हानिकारक केमिकल जब्त किए हैं। आबकारी विभाग ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

आबकारी विभाग ने मुखबिर की पक्की सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की विशेष टीम ने इंदौर के ग्रामीण/औद्योगिक इलाके में चल रही इस अवैध शराब फैक्ट्री पर अचानक दबिश दी, तथा मौके से भारी मात्रा में नकली शराब बनाने के उपकरण, खाली बोतलें, ढक्कन, रैपर और भारी मात्रा में जहरीला केमिकल (स्प्रिट) बरामद किया गया है।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि यहाँ ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली शराब तैयार कर बाजार में सप्लाई करने की योजना थी। आबकारी पुलिस ने मुख्य आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। विभाग की टीम ने इंदौर के बाहरी इलाकों जैसे कनाडिया, खुडैल, लसूड़िया के ग्रामीण क्षेत्रों, या चोइथराम मंडी के आगे बने कबाड़खानों और फार्महाउसों के आस-पास दबिश दी है। शुरुआती इनपुट के अनुसार, यहाँ तैयार होने वाली नकली शराब को इंदौर शहर के ढाबों, कंजर डेरों और ग्रामीण अंचलों के अवैध ठिकानों पर खपाने की तैयारी थी। चूंकि आबकारी विभाग और स्थानीय पुलिस द्वारा मुख्य आरोपियों की धरपकड़ और सटीक ठिकाने की सीलिंग की कार्रवाई अभी जारी है।

सोहनलाल परमार ने जन्मदिन पर फिजूलखर्ची ना करते हुए उक्त राशि सामाजिक कार्यों के लिए देने की घोषणा की

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● अपने जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए आज हर कोई नए-नए जतन करता है मगर सेवा भारतीय की प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य सोहनलाल परमार ने अनूठा कार्य करते हुवे अपने जन्मदिन पर फिजूलखर्ची ना करते हुए उक्त राशि सामाजिक कार्यों के लिए देने की घोषणा की। परमार ने अपने जन्मदिन पर दामोदर वंशीय जूना गुजराती दर्जी समाज के देपालपुर में बन रही धर्मशाला में 50,000 रुपए , कड़छा में प्रति दिन लगने वाले मनोरथ भोग में 11 हजार रुपए देने , तथा सेवा भारती को 51000 रुपए देने की घोषणा करते हुवे 50000 की राशि देपालपुर समाज के डा. राजेंद्र चौहान, राकेश गोयल, रामकिशन परमार, नितिन गोयल, राजेश परिहार,मुकेश चौहान को सोपी। वही 11 हजार की राशि समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित चौहान, पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल चौहान,कोषाध्यक्ष सुनील गोयल को भेट किए। इस अवसर भाजपा पिछड़ा और प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री राजेश चौहान, पूर्व ट्रस्टी सुभाष गोयल, धनराज महेश्वरी महेश चौहान सहित बड़ी संख्या में सामाजिक क्षेत्र को लोग उपस्थित थे।

मालवा निमाड़ में अब तक 16.38 लाख स्मार्ट मीटर स्थापित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासन की योजनाओं के अनुरूप मालवा निमाड़ में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अत्याधुनिक स्मार्ट मीटरों की प्राथमिकता से स्थापना की जा रही है। अब तक 16 लाख 38 हजार स्मार्ट मीटर स्थापित हो चुके हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि ये मीटर त्रुटिरहित बिल सेवा, दिन में बिजली खपत करने पर 20 प्रतिशत टीओडी छूट के अलावा गैर घरेलू उपभोक्ताओं को पावर फैक्टर छूट प्रदान करने में भी महती भूमिका निभा रहे हैं। श्री सिंह ने बताया कि इंदौर शहर में 6.90 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। वहीं इंदौर शहर मिलाकर इंदौर जिले में सात लाख पंद्रह हजार मीटर लग चुके हैं। उज्जैन जिले में 1.51 लाख से ज्यादा, रतलाम जिले में 1.27 लाख से ज्यादा स्मार्ट मीटर लगे हैं। देवास जिले में 88100, खंडवा जिले में 71700, बुरहानपुर जिले में 65045, बड़वानी जिले में 64200, धार जिले में 53 हजार, मंदसौर जिले में 52000, नीमच जिले में 51080 स्मार्ट मीटर लगे हैं। अन्य जिलों में 25400 से लेकर 35000 स्मार्ट मीटर लगे हैं। श्री सिंह ने बताया कि स्मार्ट मीटर में ऑटोमेटिक दर्ज खपत संबंधित उपभोक्ता अपने मोबाइल में ऊर्जस एप में देख सकता है। इन मीटरों के बाद बिजली बिलों के संबंध में शिकायतों में कमी आई हैं।

जून में 39 करोड़ यूनिट खपत - मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा जून के 29 दिनों में इंदौर शहर अंतर्गत करीब 39 करोड़ यूनिट बिजली का वितरण किया गया हैं। यह पिछले वर्ष समान अवधि से करीब दस प्रतिशत ज्यादा हैं। जून माह के दौरान सबसे ज्यादा खपत वाला दिन 11 जून रहा। इस दिन 1 करोड़ 53 लाख यूनिट से ज्यादा बिजली आपूर्ति रही।

वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने पर संपत्तिकर में मिलेगी 10% की छूट, महापौर ने की घोषणा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंदौर नगर निगम ने बड़ा फैसला लिया है। अब शहर में वर्षा जल संचयन प्रणाली (वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम) लगाने वाले भवन स्वामियों को संपत्तिकर में 10 प्रतिशत की छूट मिलेगी। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि यह पहल लोगों को वर्षा जल संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करेगी।

महापौर ने बताया कि वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने के बाद भवन स्वामी को संबंधित नगर निगम जोन कार्यालय में आवेदन करना होगा। इसके बाद भवन अधिकारी मौके पर पहुंचकर सिस्टम का निरीक्षण करेंगे। जांच और प्रमाणन के बाद पात्र भवनों को चालू वित्तीय वर्ष से संपत्तिकर में 10 प्रतिशत की छूट का लाभ दिया जाएगा। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि इस योजना का लाभ लेने के लिए भवन के क्षेत्रफल की कोई बाध्यता नहीं होगी। मकान छोटा हो या बड़ा, यदि उसमें वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित है और वह संचालित अवस्था में है, तो संबंधित संपत्तिकर पर 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

आवेदन के बाद ऐसे मिलेगी छूट - छूट प्राप्त करने के लिए भवन स्वामी को अपने संबंधित जोन कार्यालय में आवेदन जमा करना होगा। आवेदन मिलने के बाद भवन अधिकारी स्थल निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। रिपोर्ट सकारात्मक होने पर नगर निगम के कंप्यूटर सिस्टम में जानकारी अपडेट की जाएगी और उसी वित्तीय वर्ष से कर में छूट लागू कर दी जाएगी।

सिस्टम बंद मिला तो समाप्त होगी छूट- नगर निगम ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल सिस्टम लगाना ही पर्याप्त नहीं होगा। वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का नियमित रूप से संचालित रहना अनिवार्य होगा।

इन मेघावी बच्चों को देखकर लगता है की हमारा भविष्य बहुत उज्जवल-सशक्त है -कलेक्टर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज शासकीय अधिकारी कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित प्रतिभावान बच्चों के सम्मान समारोह में उक्त उदगार व्यक्त किए। आज स्थानीय सराफा विद्यालय में आयोजित किए गए भव्य गरिमामय आयोजन में कुल 155आवेदन प्राप्त हुए जिसमें सभी बच्चों को प्रमाण पत्र, दुपट्टा एवं कॉपियां देकर सम्मानित किया गया। 24बच्चों को लगभग एक लाख पचास हजार रूपए की नगद राशि वितरित की गई। जिसमें स्व. पंकज पटेल की स्मृति में ग्यारह, ग्यारह हजार के दो पुरस्कार क्रमशः कुमारी जयश्री जयंत जायसवाल व कु सय्यद मसिरा अली को एवं स्व सुधीर जैन अवार्ड तन्मय विजय गोयल को प्रदान किया गया। आयोजक हरीश बोयत, रमेश यादव ने बताया कि आयोजन का यह इक्कीस वा वर्ष है।

6 को लगेगा एक दिवसीय 'युवा संगम' रोजगार मेला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार, इनोवेशन एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय इंदौर द्वारा 6 जुलाई को एक दिवसीय 'युवा संगम' रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय, पोलोग्राउंड इंदौर में प्रात: 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। मेले में युवाओं को रोजगार के साथ-साथ स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु ऋण प्रक्रिया एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

नेता प्रतिपक्ष का पदभार ग्रहण एक चौथाई पार्षद ही पहुंचे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सोमवार को हुए नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में कांग्रेस की अंदरुनी खींचतान एक बार फिर सामने आ गई। नगर निगम परिसर में हुए इस कार्यक्रम में मिमरोट और चिंटू चौकसे सहित सिर्फ चार पार्षद शामिल हुए, जबकि नगर निगम में कांग्रेस के 16 पार्षद हैं।

बताया जा रहा है कि मिमरोट की नेता प्रतिपक्ष के रूप में हुई नियुक्ति को लेकर पार्टी में विरोध है। कार्यक्रम से दूर रहे पार्टी के पार्षदों का कहना है कि नेता प्रतिपक्ष का नाम करने की प्रक्रिया में उनसे सुझाव या नाम तक नहीं लिए गए। प्रदेशाध्यक्ष के हस्ताक्षर से नियुक्ति पत्र जारी कर दिया गया, पार्टी के पार्षदों को इसकी भनक तक नहीं लगी।

पदभार ग्रहण कार्यक्रम सोमवार दोपहर हुआ। इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे के अलावा महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया, जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े, राजेश चौकसे, राजू भदौरिया आदि मौजूद थे। पदभार संभालने के बाद नेता प्रतिपक्ष मिमरोट ने कहा कि शहर की जनता बदहाल सड़कें और जलसंकट से त्रस्त है। हम जनता की आवाज को पुरजोर तरीके से सदन में उठाएंगे।

समय पर काम नहीं करने वाली निर्माण एजेंसियों को करें ब्लैकलिस्टेड

यातायात सुधार एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान महापौर ने कहा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सोमवार को महापौर सभाकक्ष में यातायात विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर शहर में चल रहे यातायात सुधार, प्रतिमा स्थापना, चौराहों के विकास, पार्किंग व्यवस्था तथा विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

11 सितम्बर को विवेकानंद प्रतिमा का लोकार्पण

बैठक में महापौर ने सिरपुर तालाब क्षेत्र में स्थापित की जा रही स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा एवं परिसर विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए 11 सितंबर तक प्रतिमा का लोकार्पण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अन्नपूर्णा रोड से सुदामा नगर के मध्य निर्माणाधीन मार्ग पर भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापना की तैयारियों की समीक्षा करते हुए महापौर ने 16 अगस्त को मार्ग का नामकरण 'अटल पथ' तथा प्रतिमा स्थल के भूमिपूजन का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं राजकुमार ब्रिज से बाणगंगा ब्रिज के मध्य निर्मित एमआर-04 रोड का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर किए जाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई।

इन चौराहों पर करें तकनीकी सुधार

महापौर ने खालसा चौक, हाईकोर्ट चौराहा, इंडस्ट्री हाउस चौराहा, कनाड़िया रोड, वर्ल्ड कप चौराहा, सत्यसांई चौराहा और इंद्रप्रस्थ चौराहे सहित कई प्रमुख स्थानों पर यातायात सुधार, लेफ्ट टर्न निर्माण एवं तकनीकी सुधार कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इसके अलावा शहर की विभिन्न पार्किंग व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए उनके सुव्यवस्थित संचालन पर जोर दिया। बैठक के अंत में वर्षाकाल समाप्त होते ही प्रमुख चौराहों, मिडियन और रोटरी पर पेंटिंग, रोड मार्किंग तथा सौंदर्यीकरण कार्य तत्काल शुरू करने के निर्देश भी दिए।

गुणवत्तापूर्ण कार्य करें

छोटी ग्वालटोली स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा एवं उद्यान विकास कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए महापौर ने निर्माण एजेंसी को तय समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यादेश मिलने के बाद भी समय पर काम शुरू नहीं करने या लगातार देरी करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 30 जून 2026

न्यूज ब्रीफ

इस्कॉन मंदिर पर सैकड़ों भक्तों ने कराया भगवान जगन्नाथ को 108 तीर्थस्थलों के पवित्र जल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● निपान्या स्थित इस्कॉन मंदिर पर सोमवार को सुबह सैकड़ों भक्तों ने भगवान जगन्नाथ को देश के 108 तीर्थस्थलों के पवित्र जल, सुगन्धित द्रव्यों एवं फलों के रस से स्नान कराया। ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा पर पुरी स्थित मुख्य मंदिर में भी भगवान जगन्नाथ को मंदिर की परम्परा के अनुसार शास्त्रोक्त विधि से स्नान कराया जाता है। आज स्नान के तुरंत बाद भगवान को 15 दिन के लिए बुखार आ जाने के कारण 16 जुलाई तक मंदिर के पट बंद रहेंगे और उनके स्वस्थ होते ही 19 जुलाई को अन्नपूर्णा मंदिर से गोपाल मंदिर राजवाड़ा तक भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा की व्यापक तैयारियां भी शुरू हो गई है। इस्कॉन मंदिर इंदौर के अध्यक्ष स्वामी महामनदास प्रभु ने बताया कि शीतल जल से स्नान के बाद भगवान को बुखार आ गया है, इस कारण 16 जुलाई तक मंदिर के पट बंद रहेंगे।

कोली/कोरी समाज में भारी आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा सार्वजनिक रूप से 17 अगस्त 2025 को सार्वजनिक घोषणा के 11 महीने बीत जाने के बाद भी वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा स्थापना और चौराहे के नामकरण पर अमल न होना अब एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है। इसे लेकर कोली/कोरी समाज में भारी आक्रोश है। समाज का मानना है कि यह सीधे तौर पर उनकी घोर उपेक्षा है और इसमें किसी राजनीतिक षड्यंत्र की बू आ रहा है। अब इस मामले को लेकर अखिल भारतीय वीरांगना झलकारी महासंघ ने विपक्षी दल कांग्रेस पार्षद दल के साथ मिलकर एक बड़े आंदोलन की रणनीति तैयार की है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश महावर कोली एवं राष्ट्रीय महासचिव दिनेश वर्मा दानिश ने ऐलान किया है कि वे 'कुंभकर्णी नींद' में सोए महापौर और निगम प्रशासन को जगाने के लिए अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू करेंगे।

ओंकारेश्वर धर्मशाला का जर्जर हिस्सा हटाया

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● ओंकारेश्वर में रविवार देर रात राठौर धर्मशाला के एक हिस्से से अचानक मलबा गिर गया, जिसकी चपेट में आने से नीचे बनी चार दुकानें बुरी तरह टूट गईं। इस हादसे के बाद जिला प्रशासन ने तुरंत एक्शन लिया है। सोमवार को नगर परिषद की टीम ने जेसीबी मशीनों की मदद से धर्मशाला के जर्जर और खतरनाक हिस्से को ढहाना शुरू कर दिया है, ताकि आगे कोई बड़ा हादसा न हो। राठौर धर्मशाला का मलबा गिरने से दुकानदारों का सामान दब गया, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

भोपाल-इंदौर समेत 50 जिलों में गिरेगा पानी, 5 जिलों में मानसून पहुंचा, वहां आज भारी बारिश

भोपाल (एजेंसी) ● प्रदेश के जिन 15 जिलों में मानसून पहुंच गया है, उनमें से 5 जिले बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी और बालाघाट में मंगलवार को भारी बारिश का अलर्ट है। यहां अगले 24 घंटे के दौरान 4 इंच तक पानी गिर सकता है। 2 जुलाई से नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इससे अति भारी या भारी बारिश का दौर चलेगा। मौसम केंद्र भोपाल ने बाकी बचे 50 जिलों में भी बारिश की चेतावनी जारी की है। इनमें भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, उज्जैन, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम, हरदा, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, मंडला, डिंडोरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी शामिल हैं।

यहां 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, शिवपुरी, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ और आलीराजपुर में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने का अनुमान है। इससे पहले सोमवार को प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई। इंदौर, गुना, बालाघाट, शिवपुरी, जबलपुर, खरगोन, राजगढ़, छिंदवाड़ा, सीधी, खंडवा, सीहोर, देवास में बारिश की वजह से गर्मी से लोगों को राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार, बालाघाट में डेढ़ इंच से ज्यादा पानी गिर गया। इसी तरह भोपाल में 34.2 डिग्री, इंदौर में 33.2 डिग्री, उज्जैन में 35.5 डिग्री और जबलपुर में 38.4 डिग्री रहा। खंडवा में 31.1 डिग्री, सिवनी में 31.4 डिग्री, बैतूल में 31.8 डिग्री, खरगोन में 32 डिग्री, पचमढ़ी में 32.8 डिग्री, धार में 33.4 डिग्री, छिंदवाड़ा में 33.6 डिग्री, गुना में 33.7 डिग्री रहा।

अभी एक ही जगह पर ठहरा मानसून

मौसम विभाग के अनुसार, 24 जून को प्रदेश में मानसून की एंट्री हुई थी। 15 जिले अलीराजपुर, इंदौर, धार, हरदा, बैतूल, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला और डिंडोरी में मानसून के पहुंचने की आधिकारिक घोषणा भी की जा चुकी है, लेकिन इसके बाद मानसून एक जगह पर ठहर गया। इस वजह से दिन-रात गर्मी का असर भी बढ़ा है। खासकर उत्तरी हिस्से जैसे ग्वालियर-चंबल, सागर, रीवा संभाग के शहरों में पारे में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

इन जिलों में सामान्य से कम/ज्यादा बारिश

कम बारिश वाले जिले- अनूपपुर, बालाघाट, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, डिंडौरी, जबलपुर, कटनी, मैहर, मंडला, मऊगंज, नरसिंहपुर, निवाड़ी, पांढुर्णा, पन्ना, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, उमरिया, आलीराजपुर, बड़वानी, बैतूल, भिंड, दतिया, देवास, धार, गुना, ग्वालियर, हरदा, झाबुआ, खंडवा, खरगोन, मुरैना, नर्मदापुरम, रायसेन, राजगढ़, रतलाम, शिवपुरी, उज्जैन और विदिशा। ज्यादा बारिश वाले जिले- भोपाल, अशोकनगर, आगर-मालवा, मंदसौर, नीमच, श्योपुर, बुरहानपुर, इंदौर, शाजापुर और सीहोर। इनमें भोपाल में 6 इंच से ज्यादा बारिश हो गई है।

भोपाल में 15 जून तक तेज गर्मी रही, फिर बारिश

जून महीने में तेज गर्मी और बारिश दोनों का ही ट्रेंड है। पिछले 10 साल में 15 जून से पहले तेज गर्मी का असर दिखा है। इस बार भी ऐसा ही रहा। साल 2020 में सबसे ज्यादा 16 इंच बारिश हुई थी। वहीं, पिछले साल 2024 में पूरे महीने 10.9 इंच पानी गिरा था। 10 साल में दूसरी बार इतनी बारिश हुई थी। 24 घंटे में करीब 5 इंच पानी बरसा था।

इंदौर में पिछले साल हुई थी 4 इंच बारिश

जून में इंदौर में दिन के तापमान में खासी गिरावट होती है। पिछले साल तापमान 41.6 डिग्री तक पहुंचा था। इस महीने कोटे की 20 प्रतिशत तक बारिश हो जाती है। पिछले साल साढ़े 5 इंच पानी गिरा था। बारिश के ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो साल 1980 में यहां जून महीने में 17 इंच से ज्यादा बारिश हुई थी।

किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार' के सुरों में झूम उठा शहर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पिछले 35 वर्षों से चली आ रही परंपरा को कायम रखते हुए स्पंदन डॉक्टर्स ग्रुप ने इस वर्ष भी डॉक्टर्स डे और वर्ल्ड म्यूजिक डे का संयुक्त उत्सव संगीतमय संध्या 'सुर जी कल स्ट्राइक' के रूप में मनाया। यह स्पंदन ग्रुप की 150वीं प्रस्तुति रही। लाभ मंडपम खेलप्रशाल में आयोजित कार्यक्रम में खराब मौसम के बावजूद संगीत प्रेमियों का उत्साह देखने लायक था। कार्यक्रम शुरू होने से करीब एक घंटे पहले ही सभागार श्रोताओं से खचाखच भर गया और पूरी शाम तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सदाबहार गीतों की स्वर लहरियां गूंजती रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. संजय लौंढे ने गीत 'नदिया चले चले रे धारा' से की। इस अवसर पर महान संगीतकार मदन मोहन की जयंती, सुप्रसिद्ध गायिका सुमन कल्याणपुर को श्रद्धांजलि तथा संगीतकार आर.डी. बर्मन को उनकी जयंती पर याद करते हुए उन्हें संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस वर्ष स्पंदन परिवार में प्रतिष्ठित न्यूरोसर्जन डॉ. दीपक कुलकर्णी का भी स्वागत किया गया। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करा चुके डॉ. कुलकर्णी की सहभागिता कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। करीब 25 गीतों से सजी इस संगीतमय शाम में विभिन्न रंग देखने को मिले। डॉ. अतुल भट्ट और बड़ोदरा से आई डॉ. रुचि शाह ने शास्त्रीय रंग से सजे 'छम छम बाजे रे पायलिया' और 'जिया ले गयो रे मोरा सांवरिया' प्रस्तुत कर श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी। डॉ. हेमंत मंडोवरा ने 'नफरत करने वालों के सीने में', डॉ. प्रमोद नीमा ने 'एक हसीना थी', डॉ. मून जैन ने 'हो जा रंगीला रे', डॉ. अमित वर्मा ने 'हम्मा हम्मा', डॉ. दीपक कुलकर्णी ने 'किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार', डॉ. निकिता भटनागर ने 'चढ़ती जवानी मेरी चाल मस्तानी' तथा डॉ. मनोज भटनागर और डॉ. पिनाक भटनागर ने 'ना ना करते प्यार' सहित कई युगल गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की एक बड़ी विशेषता विविधता रही। जहां 'हैं अगर दुश्मन' जैसी शानदार कव्वाली ने समां बांधा, वहीं 'लड़की बड़ी अंजानी है', 'बाजीगर ओ बाजीगर', 'मुसाफिर हूं यारों', 'कोई कहे कहता रहे' जैसे जोशीले गीतों ने माहौल को ऊर्जा से भर दिया।

राम मंदिर ट्रस्ट को कांग्रेस ने लिखा पत्र, दान मामले के आरोपियों चंपत राय व अनिल मिश्रा पर आजीवन प्रतिबंध की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला कांग्रेस सेवादल इंदौर के कार्यवाहक अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल एवं इंदौर शहर कांग्रेस के सूचना अधिकार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गिरीश जोशी ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास जी महाराज को पत्र लिखकर राम मंदिर दान मामले में आरोपों के घेरे में आए लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि भगवान श्रीराम का मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है। देशभर के राम भक्तों ने अपनी मेहनत की कमाई से मंदिर निर्माण के लिए दान दिया था। यदि उसी पवित्र दान में चोरी और अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं, तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं बल्कि करोड़ों राम भक्तों की आस्था और विश्वास के साथ गंभीर विश्वासघात है। कांग्रेस नेताओं ने ट्रस्ट से मांग की है कि दान मामले के आठों आरोपियों के साथ-साथ ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय, पूर्व सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा एवं उनके परिवारजनों के राम मंदिर में प्रवेश पर आजीवन प्रतिबंध लगाया जाए। साथ ही उन्हें ट्रस्ट की सभी जिम्मेदारियों से स्थायी रूप से अलग कर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि मंदिर की गरिमा और श्रद्धालुओं का विश्वास बना रहे। जिन लोगों पर भगवान श्रीराम के नाम पर प्राप्त दान को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं, उन्हें नैतिक रूप से राम मंदिर में प्रवेश का अधिकार नहीं होना चाहिए।

25 हजार से अधिक बल होगा तैनात महानिदेशक प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने तैयारियों का जायजा लिया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ-2028 की तैयारियां में गति पकड़ ली है। होमगार्ड, सिविल डिफेंस और आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा तैयारियां तेज की जा रही हैं। इसी क्रम में, होमगार्ड, सिविल डिफेंस एवं आपदा प्रबंधन की महानिदेशक श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने दो दिवसीय प्रवास के दौरान सोमवार को कालिदास अकादमी में सिविल डिफेंस वालंटियर्स, आपदा मित्र योजना के स्वयंसेवकों, होमगार्ड जवानों और एसडीआरएफ सैनिकों से संवाद किया। श्रीमती श्रीवास्तव ने बताया कि महापर्व के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। इसके लिए होमगार्ड, सिविल डिफेंस, आपदा मित्र, एसडीआरएफ और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा रहा है। संवाद कार्यक्रम के बाद, महानिदेशक ने रामघाट का दौरा किया। उन्होंने सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए घाटों की व्यवस्थाओं और सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जल सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, आपदा प्रबंधन और बचाव कार्यों से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जानकारी दी कि होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण में है और इसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। सिंहस्थ के लिए बड़े स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। वर्तमान योजना के तहत, लगभग 10 हजार होमगार्ड और तकनीकी वालंटियर्स के साथ-साथ 10 से 15 हजार स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित कर सिंहस्थ की व्यवस्था में तैनात किया जाएगा। एसडीआरएफ और पुलिस बल भी अपनी जिम्मेदारियां अलग से निभाएंगे। महानिदेशक ने इस बात पर जोर दिया कि सिंहस्थ जैसी विशाल धार्मिक सभा में सबसे बड़ी चुनौती भारी भीड़ का सुरक्षित और व्यवस्थित प्रबंधन है। इसे देखते हुए सभी जवानों और स्वयंसेवकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में केवल कानून-व्यवस्था ही नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के साथ संवेदनशील व्यवहार, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की सहायता, आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य तथा सुरक्षित निकासी जैसे महत्वपूर्ण विषय भी शामिल हैं।

खाद्य विभाग में 500 से अधिक शिकायतें पेंडिंग, कलेक्टर ने डीएसओ को दिया नोटिस

देवास ● देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पर सख्ती दिखाई है। उन्होंने जिला आपूर्ति अधिकारी (डीएसओ) दिनेश अहिरवार को निलंबन संबंधी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। खाद्य विभाग में 500 से अधिक शिकायतें लंबित पाई गई हैं। यह मामला सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में सामने आया। बैठक में सीएम हेल्पलाइन की विभागवार लंबित शिकायतों की समीक्षा की गई।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्राइवेट व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश निःशुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सरवटे बस स्टैंड के अंदर अवैध तरीके से दो केंटिन संचालित हो रही है

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मप्र राजीव विकास केंद्र के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव पूर्व शहर महामंत्री एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश मीडिया प्रभारी नीतिश भरद्वाज ने बताया है की नया बस स्टैंड बना था जब यह घोषणा की गई थी की बस स्टैंड के अंदर कोई दुकानें नीचे नहीं बनाई जायेगी जबकि पहले से छोटा बस स्टैंड बना है और ऊपर की मंजिल पर केंटिन अधिकृत किया गया था फिर कुछ समय बाद ऊपर का केंटिन बंद कर दिया गया और नीचे एक गोमटि नुमा केंटिन चालू कर दिया गया जिससे सरवटे बस स्टैंड के अंदर स्वरुप और सुन्दरता बिगाड़ दी गई जिसके खिलाफ पहले भी आंदोलन किया गया था तब कहा गया की ऊपर की केंटिन बंद कर दी है। इसलिए नीचे गुमटी नुमा केंटिन बिचो बिच बनाई गई है। यात्रियों के खड़े रहने की जगह नहीं हैं अब नियम को तोड़ते हुए ऊपर की केंटिन भी चालू कर दिया गया और नीचे भी गुमटी नुमा केंटिन नियम के विरुद्ध चालू है और जब एक जगह ऊपर के केंटिन का ठेका दिया गया है।

तीन दिन बाद खुली मंडी, 6485 बोरी उपज पहुंची, सोयाबीन 8410 व गेहूं 2856 रुपए प्रति क्विंटल तक बिका

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● कृषि उपज मंडी में तीन दिन के अवकाश के बाद सोमवार को फिर से रौनक लौट आई। बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज लेकर मंडी पहुंचे, जिससे दिनभर चहल-पहल बनी रही। सोमवार को कुल 6485 बोरी कृषि उपज की आवक दर्ज की गई। आवकों में सोयाबीन और गेहूं प्रमुख रहे। मंडी में सोयाबीन की 3372 बोरी की आवक हुई, जिसका न्यूनतम भाव 4000 रुपए प्रति क्विंटल और अधिकतम भाव 8410 रुपए प्रति क्विंटल रहा। इसी तरह, गेहूं की 3038 बोरी मंडी पहुंची, जिसका न्यूनतम भाव 2255 रुपए और अधिकतम भाव 2856 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया। अन्य उपज में देसी चने की 10 बोरी की आवक हुई, जिसके भाव 4295 रुपए से 5895 रुपए प्रति क्विंटल तक रहे। डॉलर चने की 32 बोरी मंडी पहुंची, जिसका न्यूनतम भाव 2460 रुपए और अधिकतम भाव 7005 रुपए प्रति क्विंटल रहा। मक्का की 14 बोरी की आवक दर्ज की गई, जिसका अधिकतम भाव 1770 रुपए प्रति क्विंटल रहा। अवकाश के बाद मंडी खुलने से किसानों को अच्छी आमद रही।

सम्पादकीय

पश्चिम एशिया में समझौते पर संकट के बादल, ईरान की अमेरिका को चेतावनी कितनी गंभीर

अमेरिका के हवाई हमलों के जवाब में ईरान ने बीते रविवार को बहरीन और कुवैत में कई स्थानों को ड्रोन एवं मिसाइलों से निशाना बनाया। पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त करने को लेकर हुए प्रारंभिक समझौते से यह माना जा रहा था कि क्षेत्र में शांति कायम करने का स्थायी हल निकाल लिया जाएगा और वैश्विक स्तर पर पैदा हुए ऊर्जा संकट से भी राहत मिलेगी। मगर अमेरिका और ईरान के फिर तल्ख होते तेवर से अब इस समझौते पर ही संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिका के हवाई हमलों के जवाब में ईरान ने बीते रविवार को बहरीन और कुवैत में कई स्थानों को ड्रोन एवं मिसाइलों से निशाना बनाया। हालांकि अमेरिका की ओर से कहा जा रहा है कि ताजा घटनाक्रम का द्विपक्षीय बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन ईरान ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि उसके क्षेत्र में हमले जारी रहे, तो युद्ध खत्म करने के लिए जारी वार्ता पूरी तरह रोकी जा सकती है। यह विचित्र है कि एक तरफ दोनों देशों ने समझौते को स्थायी रूप से लागू करने के लिए शांति वार्ता को लेकर प्रतिबद्धता जताई है और इस बीच वार-पलटवार का सिलसिला भी जारी है। मौजूदा हालात में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि अमेरिका और ईरान इस समझौते को लेकर वास्तव में गंभीर हैं भी या नहीं? यह आशंका इसलिए गहरा रही है, क्योंकि दोनों देशों की ओर से समझौते के नियमों का पालन करने को लेकर कोई संजीदगी नजर नहीं आती है। हमले और वार्ता दोनों साथ-साथ कैसे चल सकते हैं? और अगर ऐसा होता भी है, तो जाहिर है कि कोई सकारात्मक परिणाम सामने आने की गुंजाइश बेहद कम होगी। अमेरिका के रुख के बाद ईरान की ओर से बहरीन और कुवैत पर ये हमले ऐसे समय हुए, जब अमेरिकी नौसेना की निगरानी में काम करने वाली एक बहुराष्ट्रीय समुद्री संस्था ने बीते शनिवार को कहा कि होर्मुज जलमार्ग में ओमान के पास स्थित एक मार्ग का विस्तार किया जाएगा, ताकि उससे खाड़ी में प्रवेश करने और बाहर जाने वाले पोतों की आवाजाही आसान हो सके। इस कदम से अमेरिका और ईरान के बीच टकराव का एक नया मोर्चा खुल सकता है, क्योंकि ईरान इस महत्त्वपूर्ण जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पर अपना पूरा नियंत्रण बनाए रखना चाहता है। अमेरिका और ईरान ने आपसी तनाव कम करने पर सहमति बना ली है।

क्या पासपोर्ट आपकी नागरिकता का अचूक कानूनी दस्तावेज है

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में 'कागज' यानी आधिकारिक दस्तावेजों की भूमिका आम आदमी के जीवन में सर्वोपरि है। जन्म प्रमाण पत्र से लेकर मृत्यु प्रमाण पत्र तक, एक नागरिक का पूरा अस्तित्व सरकारी रिकॉर्ड के पन्नों में सिमटा होता है। इसी व्यवस्था के बीच एक बहुत पुरानी और गहरी सामाजिक धारणा चली आ रही है कि यदि किसी व्यक्ति के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया चमचमाता हुआ वैध 'पासपोर्ट' है, तो वह देश का अकाट्य नागरिक है। आम तौर पर माना जाता है कि पासपोर्ट का होना ही राष्ट्रीयता की अंतिम संप्रभु मुहर है। लेकिन कानून की दुनिया धारणाओं से नहीं, बल्कि वैधानिक संहिताओं और न्यायिक व्याख्याओं से चलती है। हाल ही में विदेश मंत्रालय द्वारा दिए गए एक स्पष्टीकरण ने इस विषय पर देशव्यापी बहस को दोबारा जीवित कर दिया है। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने दो-टूक शब्दों में स्पष्ट किया कि भारतीय पासपोर्ट मूल रूप से केवल एक यात्रा दस्तावेज है, न कि नागरिकता का अंतिम या संप्रभु प्रमाण । इस बयान ने आम जनमानस में अनगिनत सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि देश की सीमाओं को पार करने की अनुमति देने वाला सर्वोच्च दस्तावेज भी नागरिकता का अकाट्य प्रमाण नहीं है, तो फिर आखिर कानून की नजर में नागरिकता का वास्तविक आधार क्या है?

इस पूरे कानूनी पेंच को समझने के लिए हमें भारत के दो अलग-अलग कानूनों के बुनियादी अंतर को समझना होगा। पहला है 'नागरिकता अधिनियम, 1955' और दूसरा है 'पासपोर्ट अधिनियम, 1967'। 'नागरिकता अधिनियम, 1955' भारत में नागरिकता प्राप्त करने, उसके बने रहने या उसकी समाप्ति के लिए एकमात्र संप्रभु कानून है। यह कानून तय करता है कि कौन व्यक्ति भारतीय है और कौन नहीं। इसके विपरीत, 'पासपोर्ट अधिनियम, 1967' मुख्य रूप से एक विनियामक कानून है। इसका प्राथमिक उद्देश्य भारतीय नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय यात्रा की सुविधा प्रदान करना, विदेशों में उन्हें भारत सरकार का राजनयिक संरक्षण दिलाना और देश से बाहर जाने व वापस आने की प्रक्रियाओं को विनियमित करना है।

अंतरराष्ट्रीय नियमों जैसे इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन के तहत, पासपोर्ट पर अंकित 'राष्ट्रीयता विदेशी बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर यह प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त है कि संबंधित व्यक्ति किस देश का प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन घरेलू स्तर पर, विशेष रूप से जब किसी व्यक्ति की कानूनी नागरिकता पर विवाद खड़ा होता है, तो पासपोर्ट की भूमिका केवल 'प्रथम दृष्टया' साक्ष्य तक सीमित हो जाती है। इसका मतलब यह है कि जब तक किसी व्यक्ति की नागरिकता को चुनौती नहीं दी जाती, तब तक पासपोर्ट को उसकी भारतीय पहचान का मजबूत आधार माना जाएगा। परंतु, जैसे ही मामला अदालत में जाएगा, पासपोर्ट स्वत: ही एक निर्णायक प्रमाण होने का दर्जा खो देता है।

भारतीय न्यायपालिका ने भी समय-समय पर इस कानूनी स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट किया है। अदालतों का हमेशा से यह मानना रहा है कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं के तहत जारी किए गए पहचान पत्र नागरिकता के मूल कानूनी सिद्धांतों को प्रतिस्थापित नहीं कर सकते।

सर्वोच्च न्यायालय का रुख (मेनका गांधी बनाम भारत संघ, 1978)बताता है : इस ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पासपोर्ट को 'व्यक्तिगत स्वतंत्रता' (अनुच्छेद 21) का हिस्सा माना और कहा कि विदेश यात्रा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। हालाँकि, अदालत ने यह भी माना कि पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया एक प्रशासनिक कृत्य है, जो पुलिस सत्यापन पर आधारित होती है। चूंकि पुलिस सत्यापन एक सतत प्रक्रिया नहीं है और केवल एक निश्चित समय पर की गई जांच है, इसलिए इसे नागरिकता का स्थायी या अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता।

सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय (मई 2026) के अनुसार एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम भारत निर्वाचन आयोग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने साफ किया कि मतदाता सूची से किसी व्यक्ति का नाम हटने मात्र से उसकी नागरिकता समाप्त नहीं हो जाती और न ही मतदाता सूची में नाम होना नागरिकता का अंतिम प्रमाण है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नागरिकता का निर्धारण केवल और केवल 'नागरिकता अधिनियम, 1955' के तहत स्थापित न्यायाधिकरणों या प्रक्रियाओं द्वारा ही किया जा सकता है?

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2013 में ही यह सिद्धांत प्रतिपादित कर दिया था कि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम दस्तावेज नहीं है। इसके बाद, अगस्त 2025 में बाबू अब्दुल रऊफ सरदार बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले में न्यायमूर्ति अमित बोरकर की पीठ ने इस स्थिति को और कड़ा करते हुए कहा कि 'केवल आधार कार्ड, पैन कार्ड या वोटर आईडी होना किसी व्यक्ति को भारत का नागरिक नहीं बनाता '। ये दस्तावेज केवल नागरिक सेवाएं प्राप्त करने या कर चुकाने के माध्यम हैं, नागरिकता साबित करने के कानूनी हथियार नहीं। कानूनी विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के पास पासपोर्ट को नागरिकता का अकाट्य प्रमाण न मानने के पीछे अत्यंत ठोस और तार्किक कारण हैं। इन्हें मुख्य रूप से दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है:

1. धोखाधड़ी और जालसाजी की निरंतर चुनौतियाँ

हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं जहाँ तकनीक के विकास के साथ-साथ दस्तावेजों की जालसाजी (स्न्नशह्वद्दह्न4) भी अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। देश में ऐसे सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं जहाँ अवैध प्रवासियों या असामाजिक तत्वों ने फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, जाली राशन कार्ड या हेरफेर किए गए स्थानीय दस्तावेजों के आधार पर पुलिस सत्यापन को चकमा दिया और वैध भारतीय पासपोर्ट हासिल कर लिया। यदि भारतीय कानून यह मान ले कि 'पासपोर्ट ही नागरिकता का अंतिम और अकाट्य प्रमाण है', तो भविष्य में किसी भी ऐसे व्यक्ति की नागरिकता को चुनौती देना या उसे देश से निर्वासित करना असंभव हो जाएगा जिसने धोखाधड़ी से पासपोर्ट हासिल कर लिया है। कानून को हमेशा देश की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के लिए एक ऐसा झरोखा खुला रखना पड़ता है जिससे किसी भी दस्तावेज की वैधता की दोबारा जांच की जा सके?

2. 'दोहरी नागरिकता' का अभाव और नागरिकता का स्वत: अवसान

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 9 देश में एकल नागरिकता का प्रावधान करता है। भारत का कोई भी नागरिक एक ही समय में किसी दूसरे देश का नागरिक नहीं हो सकता। 'नागरिकता अधिनियम, 1955' की धारा 9 के अनुसार, जैसे ही कोई भारतीय नागरिक स्वेच्छा से किसी विदेशी राष्ट्र की नागरिकता या पासपोर्ट स्वीकार करता है, उसकी भारतीय नागरिकता उसी क्षण, कानूनी रूप से स्वत: समाप्त हो जाती है।

अब इस व्यावहारिक स्थिति की कल्पना कीजिए: एक भारतीय नागरिक ने अमेरिका जाकर वहाँ की नागरिकता ले ली। कानूनन वह अब भारत का नागरिक नहीं रहा। लेकिन, चूंकि उसका भारतीय पासपोर्ट अभी समय सीमा के भीतर है और उसने इसे भारतीय दूतावास में सरेंडर नहीं किया है, इसलिए भौतिक रूप से वह पासपोर्ट उसके पास ही रहेगा। यदि पासपोर्ट को नागरिकता का अचूक प्रमाण मान लिया जाए, तो वह व्यक्ति गैर-कानूनी रूप से भारत का नागरिक होने का दावा करता रहेगा। इसलिए, अदालतें मानती हैं कि पासपोर्ट केवल एक दस्तावेजी स्थिति को दर्शाता है, वास्तविक कानूनी स्थिति को नहीं।

भारत में नागरिकता निर्धारण की जटिल क्रोनोलॉजी - चूंकि भारत में अमेरिका या कुछ यूरोपीय देशों की तरह कोई एक एकल 'राष्ट्रीय नागरिकता कार्ड' नहीं है, इसलिए नागरिकता साबित करने की प्रक्रिया पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करती है कि संबंधित व्यक्ति का जन्म कब हुआ था। भारत ने समय के साथ 'जस सोली' से 'जस सैंग्विनिस' रक्त या वंश के आधार पर नागरिकता की ओर रुख किया है। नागरिकता अधिनियम के तहत तीन प्रमुख समयावधियाँ इस प्रकार हैं:

26 जनवरी 1950 से 1 जुलाई 1987 के बीच जन्मे लोग: इस अवधि के दौरान भारत में जन्मा हर व्यक्ति 'जन्म से' भारत का नागरिक है, चाहे उसके माता-पिता की राष्ट्रीयता कुछ भी रही हो। इनके लिए केवल भारत में जन्म का प्रमाण ही नागरिकता के लिए पर्याप्त है।

जुलाई 1987 से 3 दिसंबर 2004 के बीच जन्मे लोग: इस अवधि में जन्मा व्यक्ति तभी भारत का नागरिक माना जाएगा यदि उसके जन्म के समय उसके माता-पिता में से कम से कम कोई एक भारत का नागरिक रहा हो।

3 दिसंबर 2004 के बाद जन्मे लोग: इस अवधि के बाद भारत में जन्मे बच्चे को नागरिकता तभी मिलेगी जब उसके माता-पिता दोनों भारतीय नागरिक हों, या माता-पिता में से एक भारतीय नागरिक हो और दूसरा 'अवैध प्रवासी' न हो।

इस जटिल क्रोनोलॉजी के कारण, जब भी किसी व्यक्ति की नागरिकता पर कानूनी सवाल उठता है, तो उसे केवल अपना पासपोर्ट या आधार कार्ड दिखाने के बजाय अपने माता-पिता के जन्म के दस्तावेज, पैतृक भूमि के रिकॉर्ड (जैसे असम एनआरसी के मामले में विरासत डेटा), या स्कूल छोड़ने के पुराने प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पड़ते हैं ताकि वह कानून की इन विशिष्ट शर्तों को पूरा कर सके।

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य और प्रवासी भारतीयों की चिंताएं बढ़ रही है -विदेश मंत्रालय के इस हालिया रुख से देश के भीतर ही नहीं, बल्कि विदेशों में रह रहे लगभग 2 करोड़ से अधिक प्रवासी भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों में भी एक अज्ञात भय और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों, विदेशी सरकारों और इमिग्रेशन काउंटरों पर केवल पासपोर्ट को ही किसी भी व्यक्ति की राष्ट्रीयता और संप्रभु सुरक्षा का एकमात्र जरिया माना जाता है। हालाँकि, कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि प्रवासी भारतीयों को इस तकनीकी स्पष्टीकरण से घबराने की कतई आवश्यकता नहीं है। विदेश मंत्रालय का यह बयान अंतरराष्ट्रीय उड़ानों या विदेशी नागरिकता आवेदनों को प्रभावित नहीं करता। अंतरराष्ट्रीय कानून (ड्ढठ्ठह्लद्गह्म्ठ्ठड्डह्लद्बशठ्ठड्डद्य रुड्ड2) के तहत, संप्रभु देशों के बीच पासपोर्ट को राष्ट्रीयता की मान्यता प्राप्त है। यह विवाद और स्पष्टीकरण केवल भारत के आंतरिक न्यायिक और प्रशासनिक मामलों (जैसे चुनावी शुद्धता, अवैध प्रवासन की पहचान और अदालती मुकदमों) तक ही सीमित है।

इस पूरे कानूनी विमर्श से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और यक्ष प्रश्न यह खड़ा होता है कि: यदि पासपोर्ट, आधार, वोटर आईडी और पैन कार्ड में से कोई भी नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं है, तो एक आम भारतीय नागरिक अपनी राष्ट्रीयता को निर्विवाद रूप से कैसे सिद्ध करे? वर्तमान व्यवस्था में भारत के उन साधारण नागरिकों के लिए बड़ी विकट स्थिति उत्पन्न हो जाती है जो ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, जिनके पास न तो पुराने जन्म प्रमाण पत्र हैं और न ही उनके पूर्वजों के पास भूमि के लिखित रिकॉर्ड थे। पहचान पत्र जारी करने के लिए पुलिस और प्रशासन जिस कड़े सत्यापन से गुजरते हैं, यदि उस पूरी प्रक्रिया के बाद बने दस्तावेज को ही सरकार अदालत में 'अंतिम सच' मानने से इनकार कर दे, तो यह प्रशासनिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी एक बड़ा सवालिया निशान लगाता है। अनेक नीति विश्लेषकों का मानना है कि इस विसंगति को दूर करने का एकमात्र उपाय यही है कि भारत सरकार भविष्य में एक संप्रभु 'राष्ट्रीय नागरिकता प्रमाण पत्र' या एक एकीकृत नागरिक डेटाबेस तैयार करे, जो नागरिकता अधिनियम, 1955 के कड़े प्रावधानों के तहत पूरी तरह से जांचा-परखा हो। जब तक ऐसा कोई सार्वभौमिक दस्तावेज अस्तित्व में नहीं आता, तब तक आम नागरिकों को अपनी पहचान के लिए दस्तावेजों के एक पूरे पुलिंदे पर निर्भर रहना होगा।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

30 दिन से लंबित राजस्व प्रकरणों पर कार्रवाई के निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिले में लंबित राजस्व प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों और विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि लंबित मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। 30 दिन से अधिक समय से लंबित नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन प्रकरणों के लिए संबंधित पटवारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में सभी विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने योजनाओं के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी तहसीलदारों को राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए। सीमांकन के लंबित मामलों की समीक्षा के दौरान बदनावर तहसील में सर्वाधिक प्रकरण पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की और उनके शीघ्र निराकरण के आदेश दिए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर लंबित शिकायतों की विभागवार समीक्षा भी की गई।

किसानों ने ई-टोकन व्यवस्था में सुधार की मांग की, यूरिया के साथ सुपर फास्फेट की जबरन खरीदी खत्म हो

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी ● बाग में किसान कांग्रेस, जयस संगठन और अन्य किसानों ने सोमवार को खाद वितरण के लिए लागू ई-टोकन व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन राजस्व कार्यालय के कर्मचारी को सौंपा। नायब तहसीलदार की गैरमौजूदगी पर किसान नेताओं ने गहरी नाराजगी भी जताई। किसान नेता चंद्रपाल अजनारियां ने बताया कि ई-टोकन सिस्टम के तहत किसानों को एक हेक्टेयर खेती की जमीन पर करीब 4 बोरी यूरिया के साथ 6 बोरी सुपर फास्फेट भी जबरन लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस इलाके की जमीन में सुपर फास्फेट की कोई जरूरत नहीं है, फिर भी किसानों को महंगे दामों पर इसे खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष जामसिंह बघेल ने बताया कि एक हेक्टेयर जमीन के लिए कम से कम 15 से 17 बैग यूरिया की जरूरत होती है, लेकिन ई-टोकन से सिर्फ 4 बोरी यूरिया ही मिल पा रहा है।

यूसीसी समिति भंग करने की मांग, दिग्विजय सिंह से मिले अल्पसंख्यक कांग्रेस पदाधिकारी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● अल्पसंख्यक कांग्रेस ने समान नागरिक संहिता (ष्टष्ट) समिति को भंग करने की मांग की। सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बड़वानी दौरे के दौरान खरगोन के पूर्व कांग्रेस विधायक परसराम डंडीर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात की और अपनी बात रखी। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि यूसीसी समिति का गठन पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है। उनका कहना है कि समान नागरिक संहिता की आड़ में मुस्लिम समाज की धार्मिक स्वतंत्रता और

अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों तथा हितों को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रतिनिधिमंडल में पूर्व अल्पसंख्यक कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष जाकिर खान, पूर्व प्रदेश सचिव शाहरुख मिर्ज़ा और समाजसेवी सुल्तान भुट्टो शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि इस प्रकार के भेदभावपूर्ण यूसीसी विधेयक और इसके लिए गठित समिति को समाप्त किया जाए। उनका तर्क है कि ऐसा करने से संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को उनकी मांग पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। दिग्विजय सिंह बड़वानी में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अल्प प्रवास पर पहुंचे थे।

200 एकड़ जंगल से हटाया अतिक्रमण, खंडवा में 30 जेसीबी लेकर पहुंचे थे

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● सोमवार को आमाखुजरी जंगल की करीब 200 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमणकारियों ने यहां पेड़-झाड़ियां काटकर मक्के की फसल बोई थी। वन, राजस्व और पुलिस विभाग के 600 अधिकारी-कर्मचारी 30 जेसीबी मशीनों के साथ कार्रवाई में जुटे, जो करीब 6 घंटे तक चली। किसी भी तरह के विरोध से निपटने के लिए 60 महिला पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद रहीं। टीम अपने साथ आंसू गैस लेकर पहुंची थी। जंगल में गड्ढों और ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर झटका लगने से गैस का गोला फट गया। इसकी चपेट में कुछ पुलिसकर्मी आ गए। बाद में पेटी को खोलकर पूरी गैस बाहर की गई। इस दौरान कलेक्टर ऋषभ गुप्ता, एसपी अगम जैन, एडिशनल एसपी महेंद्र तारणेकर और डीएफओ राकेश कुमार डामोर भी आमाखुजरी में रहे। इससे पहले रविवार को जंगल में बुआई रोकने गए 40 वनरक्षकों की टीम पर अतिक्रमणकारियों ने पथराव कर दिया था। इसमें 8 कर्मचारी घायल हो गए थे। रविवार को आमाखुजरी जंगल में अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम पर करीब 400 अतिक्रमणकारियों ने महिलाओं को आगे कर गोफन से पत्थर फेंके। लाठियों से भी हमला किया। किसी वनकर्मी का सिर फूट गया तो किसी का कान कट गया। सभी घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मॉक ड्रिल - आतंकी हमले जैसी स्थितियों से निपटने की तैयारियां जांची

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● ओंकारेश्वर बांध परियोजना परिसर की सुरक्षा जांचने के लिए सोमवार को सीआईएसएफ यूनिट ओकेपीएस ने एक बड़ी बहु-एजेंसी मॉक ड्रिल का आयोजन किया। अधिकारियों ने बताया कि इस संयुक्त अभ्यास का मुख्य उद्देश्य देश के इस महत्वपूर्ण जल विद्युत प्रतिष्ठान पर संभावित आतंकी हमले जैसी आपातकालीन स्थितियों से निपटने और सुरक्षा तैयारियों को परखना था। इस हाई-लेवल सुरक्षा अभ्यास में इंटेलिजेंस ब्यूरो, एनएचडीसी प्रबंधन, डीजीआर सुरक्षा, जिला पुलिस, जिला प्रशासन, फायर ब्रिगेड और स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने एक साथ मिलकर हिस्सा लिया। मॉक ड्रिल के दौरान बांध परिसर पर अचानक आतंकी हमले का एक क्राइसिस सिचुएशन तैयार किया गया। हमले का सायरन बजते ही सीआईएसएफ के हथियारों से लैस जवानों ने तुरंत मोर्चा संभाला और पूरे बांध परिसर की घेराबंदी कर संदिग्ध आतंकियों की गतिविधियों को नाकाम किया।

अभ्यास के दौरान डीजीआर सुरक्षा कर्मियों ने बांध के सभी प्रवेश और निकास द्वारों को तुरंत सील कर दिया और अंदर मौजूद कर्मचारियों को सुरक्षित रास्तों से बाहर निकाला। तय मानक संचालन प्रक्रिया के तहत काम करते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने बंधक संकट और गोलाबारी जैसी स्थितियों का सामना किया। इस दौरान फायर ब्रिगेड की टीम ने परिसर में लगी काल्पनिक आग पर काबू पाया, वहीं एम्बुलेंस और डॉक्टरों की टीम ने घायल कर्मियों को प्राथमिक उपचार देकर तुरंत अस्पताल पहुंचाने का अभ्यास किया।

ओंकारेश्वर:सस्पेंडर बदलने के बाद झूला पुल शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

ओंकारेश्वर ● तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में झूला पुल का टूटा हुआ हुक बदलने के साथ ही पूरा सस्पेंडर बदल दिया गया है, जिसके बाद पुल के दरवाजे खोल दिए गए हैं। 23 जून की रात जांच में एक हुक टूटा मिला था। कलेक्टर ऋषव गुप्ता के निर्देश पर ब्रिज बनाने वाली कंपनी के इंजीनियरों ने बुधवार शाम इंदौर से नई सामग्री बुलवाई। तेज बारिश के कारण काम देर रात शुरू हुआ जो गुरुवार दोपहर तक चला। इसके बाद तकनीशियनों ने पूरे ब्रिज की मजबूती और सुरक्षा मानकों की टेस्टिंग की। सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद आखिरकार श्रद्धालुओं के लिए झूला पुल को दोबारा चालू कर दिया गया।

जौलाना में टंट्या मामा की प्रतिमा खंडित, आदिवासी समाज का विरोध

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● सरदारपुर तहसील के ग्राम जौलाना में सोमवार को क्रांतिकारी टंट्या मामा की प्रतिमा खंडित कर दी गई। इस घटना से आदिवासी समाज में भारी आक्रोश है। समाजजनों ने विधायक प्रताप ग्रेवाल के नेतृत्व में सरदारपुर थाने का घेराव किया और दोषियों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में समाज के लोग सरदारपुर थाने पहुंचे। उन्होंने एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि अज्ञात असामाजिक तत्वों ने जानबूझकर टंट्या मामा की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किया है, जिससे आदिवासी समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। समाज का आरोप है कि यह घटना सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और क्षेत्र में तनाव पैदा करने की मंशा से की गई है। सर्व आदिवासी समाज ने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच कर 24 घंटे के भीतर आरोपियों की पहचान कर एफआईआर दर्ज की जाए। समाज ने आरोपियों को गिरफ्तार कर कठोर कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग की। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने और भविष्य में महापुरुषों की प्रतिमाओं की सुरक्षा के लिए स्थायी व्यवस्था करने की भी अपील की गई। इस अवसर पर विधायक प्रताप ग्रेवाल ने कहा कि टंट्या मामा केवल आदिवासी समाज ही नहीं, बल्कि अन्याय के खिलाफ संघर्ष और स्वाभिमान के प्रतीक हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी प्रतिमा के साथ की गई छेड़छाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एटलेटिको मैड्रिड छोड़कर बार्सिलोना जाना चाहते हैं अल्वारेज

न्यूजर्सी (एजेंसी) ● अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज़ अब एटलेटिको मैड्रिड छोड़कर शीर्ष स्पेनिश क्लब बार्सिलोना जाना चाहते हैं। अर्जेंटीना की फीफा विश्व कप में ऑस्ट्रिया पर जीत के बाद अल्वारेज़ ने भी माना है कि वह अब एटलेटिको मैड्रिड से आगे बढ़ना चाहते हैं वहं दूसरी ओर एटलेटिको मैड्रिड इसके लिए तैयार नजर नहीं आता

।अल्वारेज़ के अनुसार भविष्य के लिए ट्रांसफर सबसे बेहतर विकल्प है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस मामले में क्लब के अधिकारियों के साथ बात कर रहे हैं। उन्होंने किसी क्लब का नाम नहीं लिया, लेकिन मौजूद जानकारी के अनुसार स्पेनिश दिग्गज बार्सिलोना में खेलने की उनकी इच्छा किसी से छिपी नहीं है। पिछले कुछ सप्ताह से बार्सिलोना, पेरिस सेंट जर्मेन (क्लब)

और आर्सेनल जैसे बड़े क्लबों का नाम जूलियन अल्वारेज़ के साथ जोड़ा जा रहा था। वहीं, स्पेन की मीडिया में लगातार यह दावा किया जा रहा है कि खिलाड़ी और बार्सिलोना के बीच व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति भी बन चुकी है। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पांच साल के अनुबंध को लेकर बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ी है। एटलेटिको मैड्रिड ने इस मामले में अभी कुछ नहीं कहा है। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए साफ कहा है कि जूलियन अल्वारेज़ बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं हैं। क्लब के अनुसार, यदि कोई टीम खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ना चाहती है तो उसे 500 मिलियन यूरो की रिलीज़ क्लॉज राशि का भुगतान करना होगा। इसके अलावा, किसी भी प्रकार की बातचीत या समझौते की संभावना नहीं है। बार्सिलोना पहले ही एटलेटिको मैड्रिड को एक बड़ी राशि का प्रस्ताव भेज चुका था, लेकिन उसे तुरंत खारिज कर दिया गया। इतना ही नहीं, क्लबों के बीच सोशल मीडिया पर भी अप्रत्यक्ष बयानबाजी देखने को मिली है। दूसरी ओर, रियल मैड्रिड की ओर से भी कथित रूप से भारी भरकम प्रस्ताव भेजे जाने की खबरें सामने आई थीं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया गया।

कलर्स प्रस्तुत करता है 'जूही मुई': ऑटिज़्म और स्वीकार्सता की प्रेरणादार्क कहानी

मुंबई (एजेंसी) ● 'हर दिमाग अपनी तरह से चमकता है।' ऐसे समय में जब समाज व्यक्तिगतता का जश्न मनाता है लेकिन उसे समझने में अक्सर संघर्ष करता है, कलर्स लेकर आ रहा है 'जूही मुई' एक दिल छू लेने वाली कहानी एक युवा ऑटिस्टिक लड़की की, जो ऐसे संसार में जी रही है जो उसे लगातार कम आंकता है। कहानी के केंद्र में है जूही सूरी एक तेज़ और उज्ज्वल युवती, जिसकी दुनिया को देखने का अनोखा तरीका उसकी सबसे बड़ी ताक़त भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। असाधारण याददाश्त और पैनी सोच से लैस जूही के पास ऐसी क्षमताएँ हैं जो उसे दूसरों से अलग बनाती हैं। लेकिन अपनी प्रतिभा के बावजूद, जूही अक्सर इस वजह से आंकी जाती है कि वह अलग है और समाज की संकीर्ण परिभाषा के हिसाब से 'नॉर्मल' नहीं मानी जाती।

कानून के चेंबर के अनुशासन में अपने भाई करण के साथ पलीबढ़ी जुही ने बचपन से ही अपने स्नेही पिता राजेंद्र सूरी को देखा, जो एक सम्मानित वकील हैं और अपनी खुद की प्रैक्टिस चलाते हैं। वह रोज़ाना जिस दुनिया से लड़ते हैं, उससे जुही को बचाकर रखते हैं। जुही का दिमाग़ कानून के लिए ही बना है उसे धाराएँ शब्दश: याद रहती हैं, वह मिसालों को तुरंत जोड़ लेती है और वे बारीकियाँ देख लेती है जो दूसरों की नज़र से छूट जाती हैं। पिता का ओवरप्रोटेक्टिव स्वभाव और भाई की नज़र में 'जीनियस' कहलाने वाली जुही को सामान्य तरीके से

देखने वाला एकमात्र इंसान है इंस्पेक्टर सन्यम सिंह एक ज़मीन से जुड़ा, सहज प्रवृत्ति वाला पुलिस अफ़सर, जो उसका सबसे अप्रत्याशित साथी बनता है। इस सफ़र में कहानी यह सवाल उठाती है कि क्या हमें लोगों से यह उम्मीद करनी चाहिए कि वे सिस्टम में फिट होने के लिए बदलें, या फिर अब समय आ गया है कि सिस्टम को बदला जाए ताकि वह उन्हें अपने भीतर शामिल कर सके? ईशा सिंह के मुख्य किरदार वाली 'जुही मुई' में संजय सूरी पिता राजेंद्र सूरी के रूप में, सई देवधर सुचित्रा सूरी के रूप में, अयूब ख़ान उत्तम सूरी के रूप में, क्रुशाग घुगे करण सूरी के रूप में और विजयेंद्र कुमेरिया इंस्पेक्टर सन्यम सिंह के रूप में नज़र आएंगे। 'जुही मुई' का प्रीमियर 29 जून को होगा और इसके बाद यह शो हर सोमवार से शुक्रवार रात 9:30 बजे सिर्फ़ कलर्स और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा।

ईशान में एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने की भी सभी योग्यताएं : श्रीकांत

चेन्नई (एजेंसी) ● भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि आक्रामक सलामी बल्लेबाज ईशान किशन एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बन सकते हैं पर उन्हें अवसर नहीं मिल रहा। श्रीकांत के अनुसार एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने के लिए जिस प्रकार का कौशल चाहिये वह इस बल्लेबाज में है पर फिर भी उसे अवसर नहीं मिल रहा। साथ ही कहा कि ये निराशाजन बात है कि एक काबिल खिलाड़ी टीम में जगह हासिल नहीं कर पा रहा। ये एक प्रकार से उसकी प्रतिभा के साथ अन्याय है। दो साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद, किशन हाल ही में टी20 विश्वकप से टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 50-ओवर के प्रारुप में भी उन्होंने एक अच्छा शतक लगाया है। श्रीकांत के अनुसार उन्हें ईशान के खेलने का अंदाज अच्छा लगता है। इसी को देखते हुए इस पूर्व कप्तान का मानना है कि कि साल 2023 में कुछ टेस्ट मैच खेल चुके किशन टेस्ट में अवसर मिलने पर भी प्रभावित ही करेंगे। उन्होंने इस बल्लेबाज के खेल

की सराहना करते हुए कहा, मैं ईशान किशन का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उन्होंने अचानक वापसी की है और बहुत बढ़िया खेल रहे हैं। मुझे उनका खेल पसंद है। उनके स्ट्रोक खेलने का तरीका, टाइमिंग, पावर और आसानी से खेलने की क्षमता सब लाजवाब है। वह सभी प्रारुपों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं पर उन्हें एक प्रारुप तक ही सीमित कर दिया गया है जो भारतीय क्रिकेट के लिए नुकसान देह रहेगा।

भारत ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई, ऑस्ट्रेलिया, ग्रेट ब्रिटेन-दक्षिण अफ्रीकी टीम की सीट भी पक्की

दुबई (एजेंसी) ●ऑस्ट्रेलिया, भारत, दक्षिण अफ्रीका और ग्रेट ब्रिटेन (इंग्लैंड के प्रदर्शन के चलते) ने लॉस एंजलस 2028 ओलंपिक गेम्स के लिए महिला टी-20 विश्व कप 2026 में अपने प्रदर्शनों के चलते प्रवेश कर लिया है। लॉस एंजलस 28 ओलंपिक्स में महिलाओं के इवेंट में कुल छह टीमें हिस्सा लेंगी। इन चार टीमों ने क्रमश: ओसनिया, एशिया, अफ्रीका और यूरोप से सबसे ऊंचे स्थान पर रहने वाले योग्य फिनिशर के रूप में अपनी जगह पक्की की। टी-20 विश्व कप में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमों में से एक वेस्टइंडीज़, देशों के समूह के तौर पर ओलंपिक्स में हिस्सा लेने के लिए योग्य नहीं हैं, क्योंकि उन्हें आईओसी की नेशनल ओलंपिक कमेटी के तौर पर मान्यता नहीं मिली है। पुरुष टीमों के लिए चार जगहों का निर्धारण आईसीसी टी-20 रैंकिंग के आधार पर होगा।

असली पहचान आत्मविश्वास और मूल्यों से आती है : शिल्पा शिंदे

मुंबई (एजेंसी) ●अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने हाल ही में फेमिनिज्म और आधुनिकता की बदलती अवधारणाओं पर अपनी राय साझा की, जो इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर फिल्मों तक बहस का एक बड़ा मुद्दा बनी हुई है। हाल ही में एक साक्षात्कार में शिल्पा ने कहा कि उनके लिए सच्ची पहचान बाहरी दिखावे, कपड़ों या जीवनशैली से कहीं अधिक गहरी है। उन्होंने कहा कि यह आत्मविश्वास, मजबूत मूल्यों और खुद को गहराई से समझने की क्षमता से उपजी है। उनका मानना है कि कोई महिला क्या पहनती है या कैसे दिखती है, यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि वह अपने जीवन और अपने विचारों को कितनी स्पष्टता और ईमानदारी से जीती है। इसी बातचीत में शिल्पा शिंदे ने स्वीकार किया कि उनकी सोच कुछ हद तक पारंपरिक है। उन्होंने बेबाकी से कहा, यह मेरी निजी सोच है कि मुझे महिलाओं का धूम्रपान करना पसंद नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धूम्रपान या किसी विशेष जीवनशैली को आधुनिकता का पैमाना मानना गलत है। उनके अनुसार, कोई आदत किसी व्यक्ति के आधुनिक होने का प्रमाण नहीं हो सकती। शिल्पा ने बताया कि उनके लिए आधुनिकता का अर्थ कहीं अधिक व्यापक और व्यक्तिगत है। वह मानती हैं कि सिर्फ धूम्रपान करना, शराब पीना या तथाकथित आधुनिक कपड़े पहनना किसी को बोल्ड नहीं बनाता। असली बोल्डनेस व्यक्ति के विचारों में मजबूती, अपने फैसलों को समझने की क्षमता और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने में निहित है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि बाहरी दिखावा और व्यक्ति का असली व्यक्तित्व दो अलग-अलग पहलू हैं, जिन्हें अक्सर लोग गलत तरीके से जोड़ देते हैं। अभिनेत्री ने कपड़ों और सोच के बीच के संबंध को भी स्पष्ट किया।

उज्जैन संभाग

महर्षि पाणिनि विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आज, 63 विद्यार्थियों को पदक, दो विभूतियों को मानद उपाधि प्रदान की जाएगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय का षष्ठ दीक्षांत समारोह मंगलवार, को उज्जैन में आयोजित होगा। यह समारोह कालिदास संस्कृत अकादमी के पं. सूर्यनारायण व्यास संकुल सभागार में होगा। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल इसकी अध्यक्षता करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुल 63 विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर और विद्यावारिधि (पीएच.डी.) की पदक प्रदान कीया जायेगा। विभिन्न संकायों के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों से भी सम्मानित किया जाएगा। समारोह का एक प्रमुख आकर्षण भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृत और आध्यात्मिक क्षेत्र की दो प्रतिष्ठित विभूतियों को विश्वविद्यालय की सर्वोच्च मानद डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी.लिट्.) उपाधि से सम्मानित किया जाना है। यह सम्मान स्वामी गोविंददेव गिरि महाराज और अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त संस्कृत विद्वान प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार पाण्डेय को प्रदान किया जाएगा। स्वामी गोविंददेव गिरि महाराज समकालीन संत परंपरा के प्रमुख आचार्यों में से एक हैं। वे पुणे स्थित महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान के संस्थापक हैं। वेद, उपनिषद, श्रीमद्भगवद्गीता, रामायण और भारतीय दर्शन के प्रखर व्याख्याता के रूप में वे देश-विदेश में विख्यात हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति, वैदिक ज्ञान, संस्कृत, गौसंवर्धन, सामाजिक समरसता और सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में व्यापक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना का प्रसार किया है। वहीं, प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार पाण्डेय संस्कृत जगत के अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान, शिक्षाविद् और उच्च शिक्षा प्रशासक हैं। वे श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पूर्व कुलपति रह चुके हैं। भारतीय दर्शन, न्याय, मीमांसा, संस्कृत साहित्य, पांडुलिपि विज्ञान और भारतीय ज्ञान प्रणाली के क्षेत्र में उनका योगदान उल्लेखनीय है। उनके नेतृत्व में संस्कृत शिक्षा एवं शोध को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. शिवशंकर मिश्र ने बताया कि मानद डी.लिट्. विश्वविद्यालय का सर्वोच्च शैक्षणिक सम्मान है। यह उन विभूतियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने शिक्षा, संस्कृति, समाज और राष्ट्र के उत्थान में असाधारण योगदान दिया हो। उन्होंने कहा कि इन दोनों विभूतियों का सम्मान विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है।

सांदीपनि स्कूल भवन तैयार, 45 स्मार्ट क्लासरूम और आधुनिक लैब

दैनिक इंदौर संकेत

बदनावर ● बदनावर में नई शिक्षा नीति के तहत निर्माणाधीन सांदीपनि विद्यालय (पूर्व सीएम राइज स्कूल) का भवन लगभग तैयार हो चुका है। लगभग 40 करोड़ रुपए की लागत से 25 बीघा भूमि पर निर्मित यह चार मंजिला अत्याधुनिक भवन इसी शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों के लिए खुलने की उम्मीद है। विभाग ने दावा किया है कि अगले महीने जुलाई के अंत तक खेल परिसर सहित सभी शेष कार्य पूरे हो जाएंगे। वर्तमान में, विद्यालय की कक्षाएं सरकारी नंदराम चौपड़ा उत्कृष्ट विद्यालय और सरकारी मिडिल स्कूल भवन में संचालित हो रही हैं। यहां केजी से 12वीं तक के करीब 1133 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें आसपास के 20 से 25 गांवों के छात्र-छात्राएं शामिल हैं। निर्माण एजेंसी के अधिकारियों के अनुसार, भवन निर्माण, आंतरिक फिनिशिंग, विद्युत और अन्य आवश्यक कार्य लगभग पूरे हो चुके हैं। परिसर में विकसित किए जा रहे खेल मैदान और अन्य बाहरी सुविधाओं का कार्य अंतिम चरण में है। जुलाई महीने के अंत तक संपूर्ण कार्य पूर्ण होने के बाद भवन का लोकार्पण कर इसे शिक्षा विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा। विद्यालय भवन में लगभग 45 स्मार्ट क्लासरूम, फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और व्यावसायिक शिक्षा की आधुनिक प्रयोगशालाएं, तीन लाइब्रेरी, डांसिंग रूम, खेल कक्ष, स्टाफ रूम,

वेटिंग रूम तथा प्रत्येक मंजिल पर छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग कॉमन रूम की सुविधा उपलब्ध रहेगी। भवन में ग्राउंड फ्लोर से ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने के लिए लिफ्ट भी लगाई गई है। विद्यालय परिसर में 400 मीटर का एथलेटिक्स ट्रैक, फुटबॉल मैदान और अन्य खेल गतिविधियों के लिए आवश्यक सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं। प्रारंभिक रूप से करीब 1500 विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है, जिसे भविष्य में आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकेगा। नए भवन के शुरू होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को निजी स्कूलों जैसी आधुनिक सुविधाओं के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव के अथक प्रयासों से नागदा व बदनावर में करीब 70 करोड की सौगात मिली थी। इसका भूमिपूजन होने के बाद निर्माण कार्य मार्च 2023 में शुरू हुआ था और इसे सितंबर 2024 तक पूरा किया जाना था।

मालवा की गर्म जलवायु में किसान ने पैदा किए सेब

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● जहां आमतौर पर सेब की खेती ठंडे प्रदेशों तक सीमित मानी जाती है, वहीं मालवा के खरसौद खुर्द के युवा किसान अनिल पाटीदार ने इस धारणा को बदल दिया है। नवाचार और नई तकनीक अपनाने की सोच के साथ उन्होंने गर्म जलवायु में सेब की खेती कर सफलता हासिल की है। अनिल पाटीदार के मन में वर्ष 2024 में खेती में कुछ नया करने का विचार आया। उन्होंने यूट्यूब के माध्यम से सेब की खेती के बारे में जानकारी जुटाई और हिमाचल प्रदेश जाकर बगीचों का निरीक्षण किया। खेती की तकनीक को करीब से समझा। जानकारी और प्रयोग के आधार पर उन्होंने अपने खेत में सेब का बगीचा तैयार किया, जो अब क्षेत्र के किसानों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। सात किस्मों के पौधों से शुरू किया प्रयोग किसान अनिल पाटीदार ने बताया कि उन्होंने कई बार हिमाचल प्रदेश और विभिन्न बड़ी नर्सरियों का दौरा कर जानकारी जुटाई। इसके बाद अन्ना, वांगू सहित सात अलग-अलग किस्मों के सेब के पौधे लगाए। इनमें वांगू किस्म के 10 पौधे विशेष रूप से केन्या से मंगवाए गए। सभी किस्मों ने स्थानीय जलवायु में अच्छा प्रदर्शन किया और पौधों पर फल आने लगे।

पेप्सिको प्लांट शुरू होगा, 1266 करोड़ रुपए से बने प्लांट का कल मुख्यमंत्री ऑनलाइन जुड़कर करेंगे लोकार्पण

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को उज्जैन के विक्रम उद्योगपुरी स्थित पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड परिसर में देश के दूसरे पेप्सिको फ्लेवर कंसंट्रेट निर्माण संयंत्र का ऑनलाइन जुड़कर लोकार्पण करेंगे। यह परियोजना मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जिससे 800 लोगो को रोजगार मिलेगा।

एमपीआईडीसी के निदेशक राजेश राठौर ने बताया कि लगभग 1266 करोड़ रुपए के निवेश से 22 एकड़ क्षेत्र में स्थापित यह अत्याधुनिक संयंत्र पेय पदार्थों के लिए फ्लेवर कंसंट्रेट का निर्माण करेगा। देश में इस प्रकार के फ्लेवर कंसंट्रेट निर्माण के केवल दो संयंत्र हैं, जिनमें से एक का उज्जैन में स्थापित होना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। आधुनिक तकनीक एवं उच्च स्तर के ऑटोमेशन से युक्त यह प्लांट कंपनी के प्रमुख ब्रांडों में पेप्सी, माउंटेन ड्यू, ट्रॉपिकाना, लेज, कुरकुरे, गैटोरेड और क्वेकर मानकों के अनुरूप उत्पादन करेगी।

पेप्सिको विश्व की अग्रणी खाद्य एवं पेय पदार्थ कंपनियों में से एक है, जिसके उत्पाद 200 से अधिक देशों में उपलब्ध हैं। उज्जैन में स्थापित अत्याधुनिक संयंत्र के संचालन से 800 से अधिक लोगो को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसके साथ परिवहन, वेयर हाउसिंग, लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग में स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलने के साथ-साथ क्षेत्र में सहायक उद्योगों के विकास को भी गति मिलेगी।

भगवान जगन्नाथ का पंचामृत स्नान, 15 दिन विश्राम करेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● इस्कॉन मंदिर में सोमवार को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा से पहले भव्य स्नान यात्रा महोत्सव आयोजित किया गया। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का पंचामृत और गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा सहित विभिन्न तीर्थों के पवित्र जल से अभिषेक किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस आयोजन में शामिल हुए और भजन-कीर्तन के बीच भगवान का अभिषेक किया। इस्कॉन के पीआरओ सुंदर दामोदर दास ने बताया कि स्नान यात्रा 'जल गंगा संवर्धन पखवाड़े' के अंतर्गत आयोजित की गई। अभिषेक में शामिल होने के लिए महिलाओं के लिए साड़ी और पुरुषों के लिए धोती-कुर्ता का ड्रेस कोड रखा गया था। सुबह 10 बजे मंदिर परिसर से भगवान की शोभायात्रा निकाली गई, जो विशेष वेदी तक पहुंची। यहां दोपहर 2:30 बजे तक श्रद्धालुओं ने अपने हाथों से भगवान का पंचामृत और तीर्थ जल से अभिषेक किया जाएगा। परंपरा के अनुसार स्नान यात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ अस्वस्थ माने जाते हैं। इसलिए अब वे 15 दिनों तक अनवसर (विश्राम काल) में रहेंगे। इसके बाद

16 जुलाई को आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के अवसर पर भगवान भव्य रथ यात्रा में नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे। स्नान यात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा महारानी के गजवेश (हाथी स्वरूप) के दर्शन कराए गए। शाम 6 बजे इस्कॉनश्रील प्रभुपाद के शिष्य भक्ति चारू स्वामी महाराज की 49वीं संन्यास वर्षगांठ भी मनाई गई। मंदिर प्रबंधन के अनुसार इस वर्ष मध्यप्रदेश में निकलने वाली 108 रथ यात्राओं में उपयोग होने वाले रथों के साथ विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए छोटे रथ भी श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए प्रदर्शित किए जाएंगे।

यशवंत क्लब : 20 साल बाद टूटा पम्मी-टोनी का दबदबा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के यशवंत क्लब चुनाव में जैन पैनल ने जीत दर्ज की है। जितेन्द्र उर्फ जीतू जैन 65 वोटों से चेयरमैन चुने गए। इसके साथ ही 20 साल बाद क्लब को पम्मी छाबड़ा और टोनी सचदेवा के वर्चस्व से हटकर नया चेहरा मिला है।

यशवंत क्लब चुनाव में जैन पैनल ने मैनेजिंग कमेटी के चारों प्रमुख पद जीते हैं। जितेन्द्र उर्फ जीतू जैन 65 वोटों से चेयरमैन चुने गए। 20 साल बाद क्लब को पम्मी छाबड़ा और टोनी सचदेवा के अलावा नया चेयरमैन मिला है। कार्यकारिणी के पांच में से चार पद जैन पैनल और एक पद पम्मी पैनल के खाते में गए हैं। कोई भी सदस्य लगातार दो बार चेयरमैन बनने के बाद तीसरी बार चुनाव नहीं लड़ सकता है। इंदौर यशवंत क्लब चुनाव के नतीजे रविवार, 28 जून की देर रात आए। मैनेजिंग कमेटी के चारों पद जैन पैनल के खाते में गए। कार्यकारिणी के पांच में से चार पदों पर भी जैन पैनल ने जीत दर्ज की। केवल एक पद पम्मी पैनल के खाते में गया।

इसके साथ ही क्लब 20 साल बाद परमजीत सिंह उर्फ पम्मी छाबड़ा और मनजीत उर्फ टोनी सचदेवा के वर्चस्व से बाहर निकल आया। वहीं चेयरमैन और सचिव पद पर करीबी हार हुई। इसके बाद माना जा रहा है कि चार साल के कार्यकाल के दौरान सचदेवा और सचिव संजय गोरानी ने जो नए 100 सदस्य बनाए थे, वे पम्मी गुट को भारी पड़ गए।

हर चुनाव में पम्मी या टोनी ही जीते

बीते 20 साल का रिकॉर्ड रहा है कि चेयरमैन पद पर जीत या तो पम्मी छाबड़ा की हुई या फिर टोनी सचदेवा की। वहीं इस बार वरिष्ठ सदस्य जितेन्द्र उर्फ जीतू जैन ने पम्मी छाबड़ा को 65 वोटों से हरा दिया। मतगणना के पांच राउंड में से चार राउंड में जीतू जैन बढ़त बनाए रहे।

जो अस्पताल बना ही नहीं, उसमें ही हो रहे ट्रांसफर

खजराना अस्पताल के लिए जमीन तय नहीं, किन्तु 87 पद स्वीकृत हुए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● खजराना और आसपास के तीन लाख से ज्यादा लोगों को बेहतर सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए छह साल पहले 23 जून 2020 को मप्र शासन की ओर से 100 बिस्तरों वाले सिविल अस्पताल की घोषणा की गई थी। अस्पताल के लिए 87 पद भी स्वीकृत कर दिए गए, लेकिन आज तक अस्पताल के लिए जमीन तक तय नहीं हो सकी।

हैरत की बात यह है कि अस्पताल अस्तित्व में नहीं आया, फिर भी उसके नाम पर लगातार पदस्थापनाएं होती रहीं। ताजा आदेश हाल ही में 15 जून को जारी हुआ, जिसमें एक लैब टेक्नीशियन की पदस्थापना सिविल अस्पताल खजराना के नाम पर की गई।

मप्र शासन ने सिविल अस्पताल स्थापित करने की मंजूरी देते हुए विशेषज्ञ डॉक्टर, चिकित्सा अधिकारी, स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट सहित 87 अतिरिक्त पद स्वीकृत किए थे। चार वर्षों में लगातार इस अस्पताल के नाम पर कर्मचारियों की पदस्थापनाएं होती रही हैं, लेकिन अस्पताल का भवन नहीं बनने से यहां स्वीकृत अधिकांश डॉक्टर और कर्मचारी पीसी सेठी अस्पताल, हुकुमचंद अस्पताल व अन्य सरकारी अस्पतालों में अटैच होकर सेवाएं दे रहे हैं।

जमीन का मामला छह साल से अटका : स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने अस्पताल के लिए जमीन उपलब्ध कराने को लेकर कई बैठकों में वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रस्ताव भेजे। शासन स्तर पर पत्राचार भी होता रहा, लेकिन अब तक न जमीन आवंटित हुई और न निर्माण शुरू हो सका।

अस्पताल नहीं, सिर्फ पद चल रहे हैं

यह मामला सिर्फ अस्पताल निर्माण में देरी का नहीं है। बड़ा सवाल यह है कि जब अस्पताल का भवन और जमीन ही नहीं है तो छह साल से उसके नाम पर स्वीकृत पदों पर ट्रांसफर और पदस्थापनाएं किस आधार पर हो रही हैं। यदि अस्पताल समय पर बन जाता तो पूर्वी इंदौर की करीब तीन लाख आबादी पर एमवाय, पीसी सेठी और जिला अस्पताल का दबाव काफी हद तक कम हो सकता था।

इलाके में सरकारी अस्पताल नहीं

खजराना, मूसाखेड़ी, तेजाजी नगर, बिचौली हप्सी और आसपास की कॉलोनियों की आबादी लगातार बढ़ रही है। इसके बावजूद इस पूरे इलाके के मरीजों को आज भी एमवाय, एमटीएच, पीसी सेठी और जिला अस्पताल में जाना पड़ता है। इन अस्पतालों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए 2020 में यहां नया सिविल अस्पताल स्वीकृत किया गया था, लेकिन परियोजना अब तक फाइलों से बाहर नहीं निकल सकी।

निगम का सॉफ्टवेयर अपडेट नहीं होने से टैक्स भुगतान में आ रही दिक्कतें

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम का सॉफ्टवेयर अपडेट नहीं होने के कारण अभी तक लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। कई लोग निगम में टैक्स भुगतान के लिए पहुंच रहे हैं तो दूसरी ओर नामांतरण आदि काम के लिए भी रसीद बराबर नहीं कट रही है। यही कारण है कि अभी तक रिसेप्ट नहीं मिलने से परेशानी हो रही है।

पिछले कई दिनों से नगर निगम में लोग चक्कर लगा रहे हैं और वजह सॉफ्टवेयर अपडेट नहीं होने के कारण टैक्स भुगतान आदि का काम एक तरह से रुका हुआ है। इधर जो हाथ मशीन बिल कलेक्टर आदि को दी गई है उसकी स्याही निकल रही है उसके चलते और परेशानी बढ़ रही है। दरअसल इधर संपत्तिधारक इस बात को लेकर परेशान हैं कि यदि पहले जैसी स्थिति हो गई और सॉफ्टवेयर कहीं उड़ गया तो फिर से भुगतान न करना पड़े। पहले ही अभी बाज़ार की हालत खराब है। ऐसे में अभी तक निगम की ओर से सॉफ्टवेयर बराबर अपडेट नहीं होने के कारण परेशानी शुरू हो गई है। फिलहाल इसको लेकर परेशानियां बढ़ने से भी कई उपभोक्ता प्रत्येक जोनल कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। नगर निगम के अधिक अधीन मुख्यालय के अलावा, 22 जोनल कार्यालय है, जहां पर अलग-अलग वार्ड के उपभोक्ता संपत्तिधारक पहुंचकर टैक्स भुगतान करते हैं लेकिन सॉफ्टवेयर अपडेट नहीं होने के कारण परेशानी शुरू हो गई है।

प्रदेश में जल्द बनेगा नया पुलिस भर्ती बोर्ड, ईएसबी का बोझ होगा कम!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश सरकार जल्द ही पुलिस भर्ती बोर्ड का गठन करने जा रही है। इसे मंजूरी मिलते ही पुलिस के साथ-साथ जेल, आबकारी और फॉरेस्ट जैसी सभी वर्दीधारी भर्तियां अब ईएसबी के बजाय इसी नए बोर्ड के जरिए होंगी। इससे भर्ती प्रक्रिया में तेजी आएगी।

गृह विभाग ने नया प्रस्ताव तैयार करके भेज दिया है। इसके तहत प्रदेश में एक अलग पुलिस भर्ती बोर्ड बनेगा। यह बोर्ड सिर्फ पुलिस तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें यूनिफॉर्म सर्विस से जुड़ी सभी भर्तियां शामिल होंगी। जुलाई में यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता वाली कैबिनेट में रखा जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद बोर्ड के गठन की प्रक्रिया शुरू होगी।

ईएसबी का बोझ होगा कम- नया बोर्ड ईएसबी के समानांतर काम करेगा। इससे ईएसबी पर परीक्षाओं का दबाव कम होगा। परीक्षा परिणाम भी समय पर आ सकेंगे। साथ ही भर्तियों के दौरान पुलिस की मदद लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

दूसरे राज्यों का मॉडल- बता दें कि तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और गुजरात में दशकों से अपना अलग पुलिस भर्ती बोर्ड है। मध्य प्रदेश पुलिस ने जो ड्राफ्ट तैयार किया है, वह इन्हीं राज्यों के मॉडल पर आधारित है। यानी एमपी अब इस मामले में बाकी राज्यों के तरीके को अपनाने जा रहा है। संजय शुक्ला, एसीएस गृह, ने कहा कि पुलिस भर्ती बोर्ड की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। विभाग ने तकनीकी और कानूनी पहलुओं पर विचार कर लिया है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट में मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा।

95 पद ही क्यों मंजूर

गृह मंत्रालय ने इस बोर्ड के लिए 200 पद मांगे थे। लेकिन वित्त विभाग ने सिर्फ 95 पदों की मंजूरी दी। इससे साफ है कि शुरुआत में बोर्ड सीमित स्टाफ के साथ काम करेगा। आगे जरूरत पड़ने पर पदों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

कौन भर्तियां करेगा बोर्ड

नया बोर्ड सिर्फ पुलिस कॉन्स्टेबल और एसआई की भर्ती तक सीमित नहीं रहेगा। यह जेल, फॉरेस्ट, ट्रांसपोर्ट और एक्साइज विभाग की भर्तियां भी करेगा। इसके अलावा रेलवे पुलिस, होमगार्ड और फायर सर्विसेज की भर्ती भी इसी बोर्ड से होगी। अभी तक पुलिस कॉन्स्टेबल और एसआई की भर्ती ईएसबी करता था। नया बोर्ड बनने के बाद यह जिम्मेदारी अलग हो जाएगी।

पुलिस के पिटने का सवाल ही पैदा नहीं होता, सच सामने आया-सहर्ष यादव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में 500 करोड़ की जमीन विवाद में पुलिसकर्मियों को नशेडियों ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। लेकिन मामले को दे दिन तक कनाड़िया टीआई सहर्ष यादव ने दबाकर रखा। दू सत्र के खुलासे के बाद हड़कंप मचा और सीपी संतोष सिंह ने सख्ती दिखाई। इंदौर में रविवार रात को कनाड़िया थाना एरिया में पुलिस पिट गई और टीआई सहर्ष यादव ने मामला दबा दिया। मामला 500 करोड़ की डायमंड कॉलोनी की जमीन का है। यह डायमंड गृह निर्माण सोसायटी की जमीन है। जमीन करीब 17 एकड़ है लेकिन मुख्य विवाद संयम इन्फ्रा कंपनी के पास मौजूद करीब सात एकड़ जमीन का है। इस जमीन की रक्षा के लिए ही गुंडे मोहसिन अली और उनके साथियों को रखा हुआ था। अब चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो गई है और इन्हें जिला कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड लिया गया है। वहीं डीसीपी जोन टू अमन सिंह राठौर ने इसमें जांच को लेकर अहम बात कही।

क्या हुआ था उस रात- रविवार रात 22 जून को जमीन पर मालिकान हक बताते हुए कुछ लोग पहुंचे। वहां जमीन की रक्षा करने वाले मोहसिन अली व अन्य शराब के नशे में थे। इन्होंने इन लोगों को पीटा। लोगों ने पुलिस बुलाई। आरक्षक विजय सिकरवार और आशीष शर्मा बुलेट से पहुंचे।

मोहसिन व अन्य ने इन्हें भी पीटा और डंडे से मारा। इसमें सिर फट गया। जिसमें सिकरवार को 16 और आशीष को 8 टांके आए। बाद में और पुलिस पहुंची और मोहसिन को थाने लाए। सूत्रों के अनुसार यहां पर मोहसिन ने टीआई सहर्ष यादव के साथ अपने संबंधों की बात कही।

टीआई भी पहुंचे और दोनों घायल आरक्षकों को अस्पताल पहुंचाया और मामले में राजीनामा करा दिया। मोहसिन को छोड़ दिया गया। आरक्षक छुट्टी पर गए। मामला दबा दिया। सीपी संतोष सिंह ने टीआई यादव को तलब किया और कार्रवाई के आदेश दिए। इसके बाद मंगलवार देर रात साढ़े ग्यारह बजे अज्ञात आरोपी पर केस दर्ज किया गया। इसके बाद अब 28 जून की रात को चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। टीआई सहर्ष यादव ने इस घटना को लेकर दोपहर करीब सवा बारह बजे चर्चा की। तब उन्होंने कहा कि इस मामले में पुलिस का लेना-देना नहीं है। यह दो पक्षों का विवाद था। पुलिस के साथ कुछ नहीं रहा।

पटेल ब्रिज हादसे के दो हफ्ते बाद भी मरम्मत नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के सियागंज स्थित पटेल ब्रिज पर हुए हादसे को दो सप्ताह बीत चुके हैं, लेकिन प्रशासन अब तक पुल की स्थायी मरम्मत शुरू नहीं कर पाया है। मध्यप्रदेश के सबसे बड़े किराना व्यापारिक केंद्र सियागंज में स्थित इस पुल की टूटी रेलिंग और अधूरी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापारियों और स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

लोगों का आरोप है कि प्रशासन ने केवल औपचारिकता निभाते हुए कुछ सीमेंट के पिलर लगा दिए, जबकि क्षतिग्रस्त रेलिंग, लोहे की जालियां और मलबा अब भी मौके पर पड़ा हुआ है। करीब दो सप्ताह पहले पानी से भरा एक टैंकर अनियंत्रित होकर पटेल ब्रिज पर कई वाहनों को टक्कर मारते हुए रेलिंग तोड़कर जा घुसा था। हादसे का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया था, जिसमें दुर्घटना की भयावहता साफ दिखाई दी थी। गनीमत रही कि टैंकर पुल से नीचे नहीं गिरा, वरना नीचे मौजूद दुकानों और व्यस्त गली में बड़ी जनहानि हो सकती थी।

पहले भी हो चुके हैं हादसे- स्थानीय लोगों के मुताबिक यह पुल पहले भी कई हादसों का गवाह बन चुका है। इससे पहले एक कार भी पुल से नीचे गिर चुकी है। इसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। लगातार दुर्घटनाओं के बाद भी पुल की सुरक्षा की अनदेखी पर लोग सवाल उठा रहे हैं।

लीज रिन्यू को लेकर मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में रहवासी कर रहे शिकायतें

कलेक्टर जनसुनवाई में भी लोगों ने दिया आवेदन लीज रिन्यू नहीं होने से न बैंक लोन, न खरीदी-बिक्री

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लीज रिन्यू नहीं होने से न बैंक लोन दे रही है और न ही खरीदी बिक्री भूखंडधारक कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन तक शिकायतें रहवासियों द्वारा की जा रही है लेकिन कोई फायदा नहीं हो रहा है। कलेक्टर की जनसुनवाई में भी लोग शिकायत कर रहे हैं। इस मामले को लेकर अभी तक कोई काम नहीं हो पाया है लेकिन रहवासी लगातार नाराजगी जता रहे हैं।

बताया जा रहा है कि शहर की कई कालोनिया ऐसी हैं जिनकी लीज समाप्त होने के बाद आज तक रिन्यू नहीं हो पा रही है। कुछ कालोनियों के रहवासी कोर्ट पहुंचे थे जहाँ से भी उन्हें अभी की स्थिति में रियायत नहीं मिल पा रही है। रहवासी कलेक्टर को भी लगातार शिकायत कर रहे हैं और जिन कालोनियों में कोई परेशानी नहीं है, वहां अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। महूनाका स्थित स्वस्तिक नगर कालोनी ऐसी है

जहां पर लीज का मामला कोर्ट में विचाराधीन है और यह भी कहा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने भी जो निर्देश दिए हैं उसमें यही निर्देश दिए हैं की कलेक्टर कार्यालय और रहवासियों के बीच में जो भी हो, निर्णय होकर समझौते के तहत काम होना चाहिए।

महेश नगर, भक्त प्रहलादनगर से लेकर रेवेन्यू नगर आदि ऐसी कॉलोनियां हैं जहां पर लीज को लेकर कोई परेशानी नहीं है परंतु अधिकारियों द्वारा बराबर ध्यान नहीं देने के कारण परेशानी बनी हुई है। कुछ कालोनियों के रहवासी लगातार कलेक्टर कार्यालय के चक्कर भी लगा रहे हैं और पिछले दिनों तो जनसुनवाई में भी शिकायतें की गई थीं परंतु अभी तक कुछ भी काम नहीं हो पा रहा कि लीज रिन्यू हो जाती है तो करोड़ों रुपये का राजस्व सरकार को मिलेगा। ऐसे ही एक मामले में भक्त प्रहलाद नगर के रहवासी संघ द्वारा भी लगातार शिकायत की गई और एक बार फिर से कलेक्टर को शिकायत करने जा रहे हैं ताकि लीज की समस्या दूर हो सकती है। इसमें से रेवेन्यू नगर का भी मामला है कि सारी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अंतिम समय में भी अधिकारियों द्वारा बराबर ध्यान नहीं देने के कारण पूरा मामला ही लंबित होता जा रहा जबकि यहां पर भी रहवासी लीज भुगतान करने को तैयार है। इसमें कमर्शियल और रहवासी इस मुद्दे को लेकर कई कॉलोनियों में यही परेशानी है। भक्त प्रहलाद नगर की मेनरोड पर होटलें खुली हैं तो ऐसी स्थिति कमर्शियल अन्य कालोनियां भी है।

तलावली चांदा तालाब के कैचमेंट एरिया से करोड़ों की सरकारी जमीन मुक्त

कब्जे का साम्राज्य ढहा, 14 दुकानें और 100 मी. लंबी दीवार ध्वस्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बारिश शुरु होते ही इंदौर के तालाबों को बचाने की कवायद तेज हो गई है। सोमवार को नगर निगम ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहर की सबसे बड़ी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाइयों में से एक को अंजाम देते हुए तलावली चांदा तालाब के कैचमेंट एरिया पर वर्षों से जमे अवैध कब्जों पर बुलडोजर चला दिया।

कार्रवाई के दौरान 14 पक्की दुकानों को ध्वस्त किया गया, जबकि करीब 100 मीटर लंबी और चार मीटर ऊंची पक्की दीवार को भी जमींदोज कर दिया गया। यह दीवार न केवल सरकारी भूमि पर खड़ी थी, बल्कि तालाब तक वर्षा जल पहुंचाने वाले प्राकृतिक प्रवाह को भी बाधित कर रही थी।

सुबह से पहुंची जेसीबी- सोमवार सुबह से ही जेसीबी मशीनें, पोकलेन और रिमूवल टीम मौके पर पहुंच गई। सुरक्षा व्यवस्था के बीच एक-एक कर अवैध दुकानों को तोड़ा गया। इसके बाद विशाल पक्की दीवार को भी ध्वस्त कर दिया गया, जिससे तालाब के कैचमेंट एरिया का बड़ा हिस्सा अतिक्रमण मुक्त हो गया। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौके पर मौजूद रहे।

तालाब फिर से लबालब भर सकेंगे

शहर में लगातार सिकुड़ते जल स्रोतों और बढ़ते अतिक्रमण के बीच निगम की यह कार्रवाई केवल अवैध निर्माण हटाने तक सीमित नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे इंदौर के तालाबों को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यदि इसी तरह कैचमेंट एरिया को अतिक्रमण मुक्त कराया गया और प्राकृतिक जल मार्गों को बहाल किया गया, तो आने वाले वर्षों में शहर के तालाब फिर से लबालब भर सकेंगे और भूजल संरक्षण को भी नई मजबूती मिलेगी।

डिजिटाइजेशन से तत्काल मिलेंगे भूमि रिकॉर्ड

प्रदेश में 15 करोड़ से ज्यादा पुराने भू-अभिलेख किए जाएंगे दुरुस्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत प्रदेश में चरणबद्ध रूप से डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। इस परियोजना के माध्यम से राज्य के लगभग 15 करोड़ पुराने भू-अभिलेख रिकॉर्ड का आधुनिकीकरण किया जाएगा, जिसके लिए दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली और डीबीईएस सॉफ्टवेयर विकसित किए जा रहे हैं। इस व्यवस्था से लोगों को अपने भूमि रिकॉर्ड की जानकारी तत्काल उपलब्ध हो सकेगी। वर्ष 2008 में शुरू हुए राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम को 1 अप्रैल 2016 से पुनर्गठित किया गया था। इसके तहत मॉडर्न रिकॉर्ड रूम (एमआरआर) के अंतर्गत पुराने अभिलेखों के डिजिटाइजेशन की रूपरेखा तैयार की गई।

जिला स्तर पर अत्याधुनिक स्कैनिंग केंद्र होंगे- जिला स्तर पर अत्याधुनिक स्कैनिंग केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। दस्तावेजों की सुरक्षित स्कैनिंग, मेटा-डाटा एंट्री और भोपाल में डीबीईएस आधारित डबल-बाइंड डेटा एंट्री की व्यवस्था की गई है। क्षेत्र के पटवारी द्वारा ऑनलाइन गुणवत्ता परीक्षण किया जाएगा। अंतिम रूप से सत्यापित रिकॉर्ड 'भूलेख पोर्टल' पर ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएंगे।

पहले चरण में नर्मदापुरम और जबलपुर में स्कैनिंग- प्रथम चरण में जबलपुर एवं नर्मदापुरम संभाग के 12 जिलों में लगभग 2.70 करोड़ दस्तावेजों की स्कैनिंग पूरी कर ली गई है। दूसरे चरण में भोपाल एवं सागर संभाग के 11 जिलों में जुलाई 2026 से कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

दस्तावेजों का चरणबद्ध स्कैनिंग

फेज-1 (2013-2020): 3,18,82,222
फेज-2 (2021-22): 2,39,24,462
फेज-3 के तहत: 15 करोड़ रिकॉर्ड्स के डिजिटाइजेशन होगा

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।